मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 274
गुरुवार, 23 अप्रैल 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मीरजापुर में ट्रक ने बोलेरो और कार में मारी टक्कर, आग लगने से आठ जले, कार चालक की भी मौत

मीरजापुर, 22 अप्रैल। रीवा-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर ड्रमंडगंज घाटी में ढलान पर बुधवार की रात नौ बजे मध्य प्रदेश की ओर से चना लादकर आ रहा ट्रक ब्रेक फेल होने से आगे चल रहे कंटेनर से टकराते हुए बोलेरो व स्विफ्ट डिजायर कार में टक्कर मार दिया। इससे बोलेरो असंतुलित होकर डिवाइर से टकरा गई और उसमें आग लग गई। इससे उसमें आठ लोगों की जलकर मौत हो गई।

मृतकों में चार पुरुष, दो महिला व दो बच्चे हैं। वहीं कार चालक की मौत हो गई। ट्रक का चालक भी घायल हो गया। घटना के दो घंटे बाद पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग को बुझाई। एसपी अपर्णा रजत कौशिक, सीओ लालगंज अमर बहादुर व ड्रमंडगंज, हलिया व

लालगंज थाने की फोर्स पहुंच गई। बताया गया कि बोलेरो सवार मध्य प्रदेश के मैहर से दर्शन-पूजन करके लोट रहे थे। बोलेरो जिगना के रामपुर हंसवार श्रीनिवासधाम की थी। वह पूरी तरह से जल गई है। कार भी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे उनकी पहचान नहीं हो पा रही है। बताया गया कि स्विफ्ट डिजायर कार में चालक जय प्रकाश पुत्र मुन्नर प्रसाद निवासी मझिगवां पोस्ट परसी जनपद सोनभद्र का है।

गुजरात में लगे भूकंप के झटके, घरों और दफ्तरों से बाहर निकले लोग

गुजरात, 22 अप्रैल। गुजरात के चरोटर इलाके में बुधवार शाम भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में कुछ समय के लिए डर का माहौल बन गया। आणंद और आसपास के इलाकों में जैसे ही धरती हिली, कई लोग एहतियात के तौर पर अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकलकर खुले स्थानों की ओर भागे।

गांधीनगर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्मोलॉजिकल रिसर्च (क्रफ) के अनुसार, यह भूकंप शाम लगभग 4:35 बजे दर्ज किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.4 मापी गई है। भूकंप का केंद्र आणंद से लगभग 36 किलोमीटर दूर था। अधिकारियों के मुताबिक, यह एक हल्का भूकंप था, इसलिए अभी तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। बता दें कि इससे पहले 21 अप्रैल को सौराष्ट्र क्षेत्र के राजकोट जिले में 3.2 तीव्रता के साथ भूकंप के झटके लगे थे।

ममता बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई कड़ी फटकार

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में पहले चरण के मतदान से ठीक पहले राज्य में सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस को करारा झटका लगा है। हम आपको बता दें कि आई पैक के कार्यालय में ईडी की छापेमारी के दौरान हस्तक्षेप करने के लिए ममता बनर्जी को देश की सर्वोच्च अदालत ने कड़ी फटकार लगाई है और इस पूरे घटनाक्रम पर सख्त रुख अपनाते हुए इसे लोकतंत्र के लिए चिंताजनक बताया है। इससे पहले, अभी कुछ दिन पहले ही मालदा में सात न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाये रखने की घटना को लेकर भी उच्चतम न्यायालय ने ममता बनर्जी सरकार को जमकर फटकार लगाते हुए कहा था कि राज्य में कानून व्यवस्था पटरी से उतर चुकी है।

हम आपको याद दिला दें कि जब प्रवर्तन निदेशालय कोलकाता में आई पैक के कार्यालय पर छापेमारी कर रहा था उसी दौरान मुख्यमंत्री वहां पहुंच गई थीं। उच्चतम न्यायालय ने इस मुद्दे पर ईडी की ओर से दायर

याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि यह एक असाधारण स्थिति है, क्योंकि किसी भी राज्य का मुख्यमंत्री जांच एजेंसी की कार्रवाई के बीच सीधे पहुंचकर उसमें दखल नहीं दे सकता। अदालत ने साफ शब्दों में कहा कि यह राज्य और केंद्र के बीच का विवाद नहीं है, बल्कि एक व्यक्ति का आचरण है, जो लोकतंत्र को खतरे में डाल सकता है।

न्यायमूर्ति पीके मिश्रा और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि केवल कानूनी तर्क देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि जमीन पर जो हो रहा है, उसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और हम सच्चाई के प्रति अपनी आंखें बंद नहीं रख सकते। अदालत ने यह भी कहा कि राज्य में पहले भी ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिनसे व्यवस्था पर सवाल खड़े होते हैं, इसलिए इस मामले को गंभीरता से देखना जरूरी है। हम आपको बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय एक जांच के तहत कोलकाता और दिल्ली सहित कई जगहों पर छापेमारी कर रहा था। यह जांच राजनीतिक रणनीति से जुड़ी संस्था आई पैक से संबंधित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों को लेकर की जा रही थी। एजेंसी का कहना है कि उसकी कार्रवाई पूरी तरह साक्ष्यों पर आधारित है और इसका किसी चुनाव या राजनीतिक दल से सीधा संबंध नहीं है।

मामला तब और गरमा गया था जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जांच के दौरान संबंधित व्यक्ति के घर पहुंच गयीं थीं। आरोप है कि उनके साथ मौजूद लोगों ने वहां से कुछ अहम दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य हटा लिए। इस घटना के वीडियो और तस्वीरें सामने आने के बाद देश भर में चर्चा शुरू हो गई थी।

हमारी सरकार लव जिहाद और घुसपैठ को खत्म करेगी: अमित शाह

कोलकता, 22 अप्रैल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जब इखढ सत्ता में आएगी, तो टीएमसी शासन के दौरान राज्य में पनप रहे लव जिहाद और लैंड जिहाद जैसे मुद्दे खत्म हो जाएंगे। सप्तग्राम में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी कहा कि बीजेपी के सत्ता में आने के बाद जो योजनाएं लागू की जाएंगी, उनसे किसानों और राज्य सरकार के कर्मचारियों को फायदा होगा।

उन्होंने कहा कि लव जिहाद और लैंड जिहाद, दोनों खत्म हो जाएंगे। सरकारी कर्मचारियों को 7वें वेतन आयोग और ऊ्अ का लाभ मिलेगा। किसानों को किसान सम्मान निधि के तहत 6,000 रुपये के

बजाय 9,000 रुपये दिए जाएंगे। विधवाओं, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों की पेंशन 2,000 रुपये तय की जाएगी। बीजेपी हमें सिंडिकेट से मुक्त कराने के लिए भी काम करेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की 'आतंकवादी' वाली टिप्पणी का ज़िक्र करते हुए शाह ने कहा कि खड़गे जी कहते हैं कि मोदी जी एक आतंकवादी हैं। खड़गे साहब, आपको शर्म आनी चाहिए; जिस इंसान ने अपनी पूरी ज़िंदगी आतंकवाद को खत्म करने में लगा दी, आप उसे आतंकवादी कहते हैं। जनता इसका पूरा हिसाब लेगी। घुसपैठ के मुद्दे को एक बार फिर उठाते हुए शाह ने कहा, ₹मोदी जी ने इस देश को आतंकवाद और नक्सलवाद से आजाद कराया है। आज मैं जाते-जाते यह कहता हूँ कि बीजेपी इस देश को घुसपैठियों से भी आजाद कराएगी।

उन्होंने आगे सीमा पर बाड़ लगाने का मुद्दा उठाया और आरोप लगाया कि राज्य सरकार की तरफ से इसमें देरी हो रही है। शाह ने कहा कि बीएसएफ को बाड़ लगाने के लिए 600 एकड़ जमीन की जरूरत है। ममता दीदी वह जमीन नहीं दे रही हैं। मैं आपसे वादा करता हूँ कि अगर आप बीजेपी की सरकार बनाते हैं, तो हम 45 दिनों के अंदर बाड़ लगाने के लिए पूरी जमीन बीएसएफ को सौंपने का काम पूरा कर देंगे।

उत्तर भारत में आग बरपाएगा सूरज, दिल्ली-पंजाब समेत कई राज्यों में भीषण लू की चेतावनी

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों के लिए लू की चेतावनी जारी की है, जिसमें आने वाले दिनों में बढ़ते तापमान और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों के बारे में बताया गया है। पूर्वानुमान के अनुसार, 24 और 25 अप्रैल को पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के कुछ इलाकों में लू चलने की संभावना है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भी अगले कुछ दिनों में ऐसी ही स्थिति रहने की आशंका है।

ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल और तटीय कर्नाटक सहित तटीय और दक्षिणी क्षेत्रों में भी गर्म और उमस भरा मौसम रहने की संभावना है। वहीं, आईएमडी द्वारा जारी बयान के अनुसार, दिल्ली, हरियाणा, ओडिशा

और पश्चिमी तटीय क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में रातें गर्म रहने की संभावना है। दिल्ली के लिए, आईएमडी ने 24 अप्रैल को मुख्य रूप से साफ आसमान और कुछ स्थानों पर लू चलने का पूर्वानुमान लगाया है। नई दिल्ली में बुधवार से शुक्रवार तक लू चलने की आशंका है, राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में पारा 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है। स्थिति को देखते हुए, आईएमडी ने दिल्ली के लिए दिन भर के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें लू चलने की आशंका जताई गई है। अधिकतम तापमान 42त्उ से 44त्उ के बीच रहने की संभावना है, जो सामान्य से काफी अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 22त्उ से 24त्उ के बीच रह सकता है। हवाएं हल्की रहने की संभावना है, जो मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से चलेंगी।

जलमार्ग प्रबंधन विभाग ने चेतावनी दी है कि उच्च तापमान से गर्मी से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं, विशेषकर शिशुओं, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से ग्रस्त लोगों जैसे संवेदनशील समूहों में। लोगों को सलाह दी जाती है कि वे लंबे समय तक धूप में न रहें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और ओआरएस, नींबू पानी और छाछ जैसे तरल पदार्थों का सेवन करें। मौसम एजेंसी ने कृषि संबंधी सलाह भी जारी की है, जिसमें प्रभावित राज्यों के किसानों से आग्रह किया गया है कि वे भीषण गर्मी के बीच फसलों की सुरक्षा और मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई, मल्चिंग और शेड नेट जैसे उपाय अपनाएं। अधिकारियों ने निवासियों से तापमान में लगातार वृद्धि के मद्देनजर सावधानी बरतने का आग्रह किया है, क्योंकि कई क्षेत्रों में लंबे समय तक लू चलने की संभावना है।

चुनाव आयोग का बड़ा एक्शन, खरगे को थमाया नोटिस

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। भारत निर्वाचन आयोग ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई 'आतंकवादी' टिप्पणी का गंभीर संज्ञान लिया और इस मुद्दे पर कारण बताओ नोटिस जारी किया। यह घटनाक्रम मंगलवार को तब सामने आया जब निर्मला सीतारमण समेत तीन केंद्रीय मंत्रियों के एक भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से संपर्क कर कांग्रेस अध्यक्ष के इस बयान पर उनके खिलाफ ₹कड़ी से कड़ी कार्रवाई₹ की मांग की।

मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आतंकवादी कहकर एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (एआईएडीएमके) की मोदी के साथ गठबंधन करने की आलोचना की थी। कांग्रेस नेता ने बाद में अपने इस बयान पर स्पष्टीकरण दिया। इस बयान के बाद एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने खरगे के इस बयान को न केवल मोदी का, बल्कि 14 लाख भारतीयों का अपमान बताया।

चेन्नई में पत्रकारों को संबोधित करते हुए खरगे ने एआईएडीएमके के भाजपा के साथ गठबंधन करने के फैसले पर सवाल उठाते हुए पूछा कि ये एआईएडीएमके के लोग, जिन्होंने खुद अन्नादुराई की तस्वीर लगाई, वे मोदी के साथ कैसे जुड़ सकते हैं? वह एक आतंकवादी है।

आरसीबी में अपना समय बर्बाद कर रहे आईपीएल छोड़ना चाहिए', जेकब बेथेल को पूर्व कप्तान ने दी सलाह

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2026 में शानदार खेल दिखाया है। टीम गत विजेता की तरह खेल रही है और इस सीजन भी ट्रॉफी जीतने का दावा ठोक रही है। इस बीच इंग्लैंड के पूर्व महान बल्लेबाज एलेस्टर कुक ने जैकब बेथेल को एक सलाह दी है। कुक का कहना है कि बेथेल आरसीबी के साथ अपना समय बर्बाद कर रहे हैं। उनका मानना है कि बेथेल को अपना नाम वापस ले लेना चाहिए।

गौरतलब है कि युवा इंग्लिश खिलाड़ी ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 भारत के खिलाफ सेमीफाइल में शतक लगाया था। उन्होंने वानखेड़े में 45 गेंदों पर सेंचुरी जड़ी थी। वे आईपीएल में आरसीबी का हिस्सा हैं। हालांकि, उन्हें एक भी मैच में

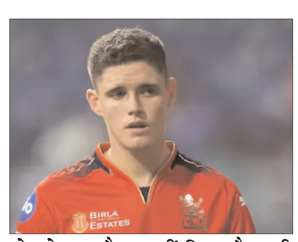

खेलने का मौका नहीं मिला है। इसी वजह से कुक नाराज हैं और बेथेल को बेंगलुरु छोड़ने की सलाह दे रहे हैं। उनका मानना है कि बेथेल को काउंटी क्रिकेट खेलना चाहिए और इससे इंग्लैंड को फायदा होगा।

स्टिक टू क्रिकेट पॉडकास्ट पर बात करते हुए कुक ने बेथेल की एशेज में बल्लेबाजी को याद किया। उन्होंने कहा, ₹सिडनी में उन्होंने शीर्ष क्रम में उन परिस्थितियों में बल्लेबाजी की है। मैंने उन्हें बैटिंग करते देखा है और मुझे लगता है कि वो ओपनिंग भी कर सकता है। अगर वे तीसरे नंबर पर बैटिंग करते हैं, तो ओपनिंग भी कर सकते हैं।

आईपीएल में बेंगलुरु के लिए बेथेल के अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाने पर कुक नाराज दिखे। उनका कहना था कि जैकब को आईपीएल छोड़कर काउंटी क्रिकेट में खेलना चाहिए और इससे इंग्लैंड को फायदा होगा। पूर्व इंग्लिश कप्तान ने कहा, ₹बेथेल के लिए ये आदर्श स्थिति नहीं है। उन्हें ओपनिंग नहीं करनी चाहिए लेकिन वे आईपीएल में कुछ भी नहीं कर रहे हैं। उन्हें वहां से वापस आना चाहिए काउंटी क्रिकेट में खेलना चाहिए। इससे इंग्लैंड की मदद हो सकती है।

आईपीएल 2026 से पहले इंग्लैंड के खिलाड़ी बेन डकेट ने भी अपना नाम वापस ले लिया था।

विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस, 23 अप्रैल 2026 पर विशेष

पुस्तकें हैं जीवन का दीप, समाधान का सेतु

-ललित गर्ग

हर वर्ष 23 अप्रैल को समूचा विश्व ज्ञान, सृजनशीलता और मानवीय सभ्यता की अमूल्य धरोहर पुस्तकों का उत्सव मनाता है। यूनेस्को द्वारा 1995 में प्रारंभ किया गया यह दिवस केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि लेखकों के सम्मान, सृजनाधिकार की रक्षा और पठन संस्कृति के संवर्धन का वैश्विक संकल्प है। इस तिथि का चयन भी अत्यंत अर्थपूर्ण है, क्योंकि इसी दिन विलियम शेक्सपियर और मिगुएल डी सर्वांटिस जैसे महान साहित्यकारों का अवसान हुआ, जिनकी रचनाओं ने मानव सभ्यता को नई दिशा दी। वर्ष 2026 में इस दिवस का मुख्य संदेश यह है कि व्यक्ति अपनी रुचियों के अनुसार पढ़े और पठन को आनंदमय अनुभव बनाए। आज आवश्यकता इस बात की है कि पढ़ने को बोझ नहीं, बल्कि आत्मविकास और आत्मानंद का माध्यम माना जाए। इसी क्रम में मोरक्को की राजधानी रबात को वर्ष 2026 के लिए विश्व पुस्तक राजधानी घोषित किया गया है, जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि पुस्तक संस्कृति किसी एक देश की नहीं, बल्कि समूची मानवता की साझा धरोहर है।

पुस्तकें केवल कागज और शब्दों का संयोजन नहीं होतीं, वे जीवन का साक्षात अनुभव कराती हैं। वे समय, समाज और संवेदनाओं का जीवंत इतिहास होती हैं। महान कवि रविन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था कि उच्च शिक्षा केवल जानकारी प्रदान नहीं करती, बल्कि जीवन को संतुलित और शांतिपूर्ण बनाती है। यही कार्य पुस्तकें करती हैं, वे मनुष्य के भीतर विवेक, करुणा और सहिष्णुता का विकास करती हैं। संकट के समय में पुस्तकें सच्चे मित्र की तरह साथ निभाती हैं, यह तथ्य वैश्विक महामारी के दौर में स्पष्ट रूप से देखने को मिला, जब लोगों ने अकेलेपन और अनिश्चितता के बीच पुस्तकों में ही आश्रय पाया। भारत में पुस्तक संस्कृति का इतिहास अत्यंत प्राचीन और गौरवपूर्ण रहा है। वेद, उपनिषद, रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथों ने न केवल भारतीय समाज को दिशा दी, बल्कि समूचे विश्व को ज्ञान का प्रकाश प्रदान किया। नालंदा विश्वविद्यालय और तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे प्राचीन विश्वविद्यालय ज्ञान के ऐसे केंद्र थे, जहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी अध्ययन हेतु आते थे। ताड़पत्रों और भोजपत्रों पर लिखी गई पांडुलिपियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुरक्षित रखा। यह परंपरा केवल धार्मिक ग्रंथों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य और दर्शन के विविध आयाम समाहित थे।

जीवन के अंधकारमय क्षणों में पुस्तकें सचमुच एक दीपक की तरह मार्ग को प्रकाशित करती हैं। जब मनुष्य समस्याओं, तनाव और द्वंद्व से घिर जाता है, तब पुस्तकें उसे नया दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। वे केवल ज्ञान का भंडार नहीं, बल्कि एक सच्चे मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक के रूप में उसकी चेतना को जागृत करती हैं। पुस्तकें हमें यह सिखाती हैं कि हर समस्या का समाधान बाहर नहीं, भीतर की समझ और दृष्टि में छिपा होता है। चीनी दार्शनिक कन्फ्यूशियस ने भी कहा था कि ह्लअज्ञानता मन का अंधकार है और ज्ञान ही उसका प्रकाश।ह्व इसी प्रकार महान दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ ने जीवन की सरलता और संतुलन पर बल देते हुए बताया कि सच्चा ज्ञान वही है जो मन को शांत और संतुलित बनाए। पुस्तकें इसी संतुलन की साधना कराती हैं-वे हमें सोचने, समझने और धैर्यपूर्वक निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करती हैं। आधुनिक भारत में भी पुस्तक संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। आचार्य विनोबा भावे द्वारा स्थापित सर्वोदय साहित्य भंडार तथा आचार्य तुलसी द्वारा स्थापित आदर्श साहित्य संघ जैसे संस्थानों ने नैतिक और प्रेरणादायक साहित्य को जन-जन तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन प्रयासों का उद्देश्य केवल ज्ञान का प्रसार नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों का संवर्धन भी रहा है। वर्तमान समय में जब तकनीकी साधनों का विस्तार हुआ है, तब भी पुस्तकों की उपयोगिता और महत्ता में कोई कमी नहीं आई है। यद्यपि अध्ययन के अनेक नए माध्यम विकसित हुए हैं, फिर भी मुद्रित पुस्तकों का आत्मीय स्पर्श और उनकी गहराई अद्वितीय है। पुस्तकें मनुष्य के विचारों को विस्तार देती हैं, उसे सही और गलत का बोध कराती हैं तथा जीवन के प्रति एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान करती हैं।

भारत में पुस्तक संस्कृति को प्रोत्साहित करने में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कई उल्लेखनीय पहलें हुई हैं। उन्होंने उपहार के रूप में पुष्पगुच्छ के स्थान पर पुस्तक देने का संदेश देकर समाज में ज्ञान के प्रति सम्मान की भावना को प्रबल किया है। इसके साथ ही देशभर में पठन-पाठन और पुस्तकालयों के विकास को लेकर विभिन्न अभियान चलाए गए हैं, जिनका उद्देश्य युवाओं में अध्ययन के प्रति रुचि जागृत करना है। यह प्रयास केवल साक्षरता बढ़ाने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक जागरूक, संवेदनशील और सशक्त समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। महान वैज्ञानिक एवं पूर्व राष्ट्रपति ए. पी. जे. अब्दुल कलाम ने कहा था कि एक अच्छी पुस्तक अनेक मित्रों के समान होती है। वास्तव में पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक विकास में अत्यंत सहायक होती हैं। वे व्यक्ति को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करती हैं, समाज की विसंगतियों को समझने का दृष्टिकोण देती हैं और सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करती हैं। प्रसिद्ध लेखिका टोनी मोरिसन का यह कथन भी उल्लेखनीय है कि यदि वह पुस्तक उपलब्ध नहीं है जिसे आप पढ़ना चाहते हैं, तो आपको स्वयं उसे लिखना चाहिए। यह विचार सृजनशीलता और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करता है। आज के त्वरित सूचना युग में जब ध्यान भटकाने वाले साधनों की भरमार है, तब गहन अध्ययन और मनन की आवश्यकता और भी बढ़ गई है। पुस्तकें ही वह माध्यम हैं जो मनुष्य को एकाग्रता, धैर्य और गहराई प्रदान करती हैं। वे केवल जानकारी नहीं देतीं, बल्कि जीवन को दिशा देती हैं और व्यक्ति को बेहतर मनुष्य बनने के लिए प्रेरित करती हैं।

पुस्तकें मानसिक शांति और भावनात्मक स्थिरता का आधार भी हैं। जब जीवन की भागदौड़ मन को विचलित करती है, तब एक अच्छी पुस्तक ध्यान के समान कार्य करती है, जो मन को एकाग्र और शांत बनाती है। महान चीनी चिंतक मेन्शियस ने कहा था कि मनुष्य का स्वभाव मूलतः शुभ होता है, उसे केवल सही दिशा की आवश्यकता होती है। पुस्तकें वही दिशा प्रदान करती हैं। वे अकेलेपन में सच्चा साथी बनती हैं, दुःख में सहारा देती हैं और निराशा में आशा का संचार करती हैं। पुस्तक के माध्यम से हम अनेक महापुरुषों के अनुभवों से जुड़ते हैं, उनके संघर्षों को समझते हैं और अपने जीवन के लिए प्रेरणा प्राप्त करते हैं। वास्तव में पुस्तकें जीवन-निर्माण का कल्पवृक्ष और कामधेनु हैं। उनकी छाया में बैठकर मनुष्य ज्ञान, विवेक, शांति और समाधान सब कुछ प्राप्त कर सकता है। वे हमारे भीतर ऐसी मानसिकता का विकास करती हैं, जिसमें हम हर परिस्थिति में समाधान खोजने लगते हैं। पुस्तकें हमारे विचारों को व्यापक बनाती हैं, हमारी संवेदनाओं को परिष्कृत करती हैं और हमें एक बेहतर मनुष्य बनने की दिशा में अग्रसर करती हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि पुस्तकें केवल जीवन को प्रकाशित ही नहीं करतीं, बल्कि उसे सार्थक, संतुलित और समृद्ध भी बनाती हैं।

विश्व पुस्तक दिवस मनाते हुए यह स्पष्ट है कि पुस्तकें केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की आधारशिला हैं। वे समाज में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता रखती हैं। ऐसा परिवर्तन जो किसी बाहरी दबाव से नहीं, बल्कि आंतरिक चेतना से उत्पन्न होता है। इसलिए आवश्यक है कि हम पुस्तक संस्कृति को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं, घर-घर में अध्ययन का वातावरण निर्मित करें और आने वाली पीढ़ियों को ज्ञान के इस अमूल्य स्रोत से जोड़ें। विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस हमें यही प्रेरणा देता है कि हम पढ़ने की आदत को विकसित करें, पुस्तकों के प्रति सम्मान की भावना को जागृत करें और एक ऐसे समाज के निर्माण में योगदान दें, जो ज्ञान, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों पर आधारित हो।

लपटों ने लपेटा, तो विकास के बजाय राजनीति में भी झुलस रही रिफाइनरी

- निरंजन परिहार

पचपदरा। रेत का विस्तार। तेल की रिफाइनरी। उम्मीदों का आसमान। रोजगार की फैक्ट्री और ऊर्जा का स्वप्न। लेकिन अचानक आग। सपलपाती लपटों ने रिफाइनरी को लपेट लिया। वह भी प्रधानमंत्री के आने से कुछ घंटे पहले। आग से भी तेज, आग की खबर फैली। सियासत उससे भी तेज भागी। क्योंकि यह कोई साधारण परियोजना नहीं। राजस्थान के औद्योगिक भविष्य की धुरी। लेकिन एक लपट ने सबको लपेटे में ले लिया। पूरी तस्वीर बदल दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दौरा टालना पड़ा। लपटें उठीं तो, सवाल भी सुलगे। सवालों की आंच में आरोप भी उठे। सियासत भी सज्ज हुई। हर कोई बयान देने लगा। अशोक गहलोत ने सही कहा झ जिनको रिफाइनरी की एबीसीड़ी भी नहीं पता, वे भी बयानबाजी कर रहे हैं।

आग से सुलगे सियासी सवाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दौरा टल गया। तैयारियां ठंडी पड़ गईं। मंच सजे रह गए। इंतजाम धरे रह गए। करोड़ों का खर्च एक पल में सवाल बन गया। क्या यह सिर्फ आग थी? या प्रबंधन की चूक? या जल्दबाजी की कीमत? राजनीति ने मौका नहीं गंवाया। कांग्रेस हमलावर हुई। कहा, यह सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। अशोक गहलोत बोले - रिफाइनरी राजस्थान के लिए गर्व की बात, लेकिन पीएम की विजिट के पहले आग लगे, तो सवाल तो खड़े हो ही जाते हैं। हनुमान बेनीवाल बोले झ राजस्थान सरकार दुनिया भर में निवेश का आग्रह लेकर घूमती है, लेकिन उद्योगों में आग लगे, तो सरकार पर जनता का भरोसा कम होता है। बीजेपी ने पलटवार किया। कहा, यह दुर्घटना है। सच है कि बड़ी परियोजनाओं में जोखिम भी बड़े होते हैं। और यहीं से, एक रोजगार प्रदाता रिफाइनरी का मुद्दा बदल गया। पीएम का दौरा टल गया।

सच सन्न है आरोप प्रत्यारोप के बीच

आग, अब सिर्फ आग नहीं रही। वह सियासी हथियार बन गई। एक तरफ सवाल कि क्या तैयारियां अधूरी थीं? क्या सुरक्षा मानक ढीले थे? क्या उद्घाटन की हड़बड़ी भारी पड़ी? दूसरी तरफ जवाब कि क्या हर दुर्घटना को राजनीति का हथियार बनाना सही है? सच, बेचारगी के साथ बीच में कहीं खड़ा है। रिफाइनरी का सफर लंबा रहा है। सपना तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने देखा। आधारशिला 18 सितंबर 2013 को तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने रखी। उसी साल कांग्रेस की सरकार चली गई। चार साल काम बंद रहा। 2018 के 16 जुलाई को मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने पीएम मोदी से कार्य शुभारंभ के नाम पर फिर शिलान्यास करवाया। लेकिन सरकार फिर बदल गई और कमान एक बार फिर अशोक गहलोत के हाथ। रिफाइनरी बनी। तो, अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पीएम मोदी से लोकार्पण की तैयारी। हर चरण, राजनीति से रंगा रहा। हर मील का पत्थर हाथ में उठा हुआ, और हर वार बयानबाजी में घिरा हुआ।

सवाल जरूरी, मगर जवाब आसान नहीं

प्रधानमंत्री का आना बड़ी बात है। करोड़ों के खर्च से दौरे की तैयारियां। लेकिन अब हर तैयारी पर सवाल है। क्या यह खर्च उचित था? जब परियोजना पूरी तरह सुरक्षित नहीं थी? या यह एक अनिवार्य प्रक्रिया थी, जिसमें जोखिम तो हमेशा ही रहता है? यहां जवाब आसान नहीं हैं। लेकिन सवाल जरूरी हैं। राजनीति ने ताप बढ़ा दिया है। कांग्रेस, आक्रामक है। बीजेपी, रक्षात्मक होते हुए भी आत्मविश्वास दिखा रही है। परिदृश्य पलट गया है। जो कल तक उपलब्धि थी, आज बहस है। जो कल तक गर्व था, आज जांच का विषय है। लेकिन असली मुद्दा क्या है? रिफाइनरी का भविष्य। उसकी सुरक्षा। और उससे जुड़े लाखों सपने। क्या आग ने उन सपनों को झुलसा दिया? या यह सिर्फ एक अस्थायी झटका है? आग ने सबको आईना दिखाया और अवसर भी दिया।

सिर्फ जांच नहीं, मजबूत कार्रवाई जरूरी

राजस्थान की अर्थव्यवस्था के लिए, यह परियोजना गेम चेंजर है। रोजगार। निवेश। औद्योगिक विस्तार। इन सबका केंद्र पश्चिमी राजस्थान। इसलिए, इस आग की इस घटना को सिर्फ सियासत में सीमित करना न्याय नहीं होगा। जरूरत है तथ्यों की। जांच की। जवाबदेही की। अगर चूक हुई है, तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। अगर नहीं, तो अफवाहों पर विराम लगना चाहिए। जब वेदांता के एक प्रोजेक्ट में आग लगने पर सीधे, उसकी संचालक कंपनी के चेयरमेन अनिल अग्रवाल पर मुकदमा हो सकता है, तो पचपदरा रिफाइनरी के चेयरमेन पर मुकदमा क्यों नहीं? सरकार के लिए सिर्फ जांच की घोषणा काफी नहीं। जमीन पर मजबूत कार्रवाई जरूरी है। विपक्ष के लिए हर घटना, हमला करने का बहाना नहीं। कभी समाधान भी देना पड़ता है। लेकिन क्या ऐसा होगा? या फिर, यह मुद्दा भी भाषणों में खो जाएगा?

अब एक कथा बन चुकी पचपदरा की आग

यह भारत की सियासत है। यहां घटनाएं घटती हैं, और मार दी जाती हैं। सियासत उसे भुलाने की कोशिश में दूसरी राह पकड़ लेती है। लेकिन पचपदरा राजस्थान में है। जहां सियासत जातियों की जकड़न में जिंदा है। लोग भूलते नहीं हैं। बदला लेते हैं। इसीलिए तथ्य कम और कथाएं ज्यादा बनती हैं। पचपदरा की आग भी अब एक कथा बन चुकी है। जिसे हर पक्ष अपने तरीके से गढ़ रहा है। लेकिन जनता? वह देख रही है। समझ रही है। और जान भी रही है। इसीलिए इंतजार कर रही है, सच का। क्योंकि अंत में, न तो बयान काम आएंगे, न आरोप। काम आएगा सुरक्षित रिफाइनरी का सच। स्थिर विकास। और भरोसेमंद शासन। अगर यह मिला, तो फिर ये आग सच में एक घटना रह जाएगी। लेकिन जवाब अगर नहीं मिला, तो यह आग, सियासत को भी झुलसा देगी। और तब, न श्रेय बचेगा, न बहाने और न ही सपनों की उम्मीद। अगर कुछ बचेगा, तो सिर्फ सवाल।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं)

बंगाल की बिसात पर योगी की 'हिंदुत्व' वाली गर्जना

-अजय कुमार

पश्चिम बंगाल की राजनीति के केंद्र में इस समय केवल चुनावी आंकड़े नहीं, बल्कि विचारधाराओं का वह प्रचंड टकराव है जिसने भारतीय राजनीति के दो ध्रुवों को बिल्कुल आमने-सामने खड़ा कर दिया है। एक ओर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं, जो भगवा चोले में हिंदुत्व की धार और 'बुलडोजर मॉडल' की धमक लेकर बंगाल की गलियों में टीएमसी के किले को ढहाने निकले हैं, तो दूसरी ओर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव हैं, जिन्होंने इस चुनावी शोर से एक सोची-समझी दूरी बना रखी है। यह दूरी महज संयोग नहीं, बल्कि 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव और दिल्ली की गद्दी के लिए बुनी जा रही उस बिसात का हिस्सा है, जहां हर कदम फूंक-फूंक कर रखा जा रहा है। योगी आदित्यनाथ का बंगाल में उतरना महज एक स्टार प्रचारक की मौजूदगी नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और राजनीतिक संदेश है जो सीधे लखनऊ के गलियारों तक पहुंच रहा है।

योगी आदित्यनाथ जब पुरुलिया या कोलकाता की सड़कों पर गरजते हैं, तो उनके निशाने पर सिर्फ ममता बनर्जी नहीं होतीं, बल्कि वह तुष्टिकरण की उस राजनीति पर प्रहार करते हैं जिसे भाजपा बंगाल में अपनी जीत की कुंजी मानती है। योगी का 'स्ट्राइक रेट' अब सिर्फ चर्चा का विषय नहीं, बल्कि विपक्षी खेमे के लिए सिरदर्द बन चुका है। बिहार चुनाव में 90 फीसदी और दिल्ली में करीब 78 फीसदी की सफलता दर ने उन्हें भाजपा का सबसे बड़ा 'इम्पैक्ट मेकर' बना दिया है। वह बंगाल की धरती पर खड़े होकर जब यह कहते हैं कि 'बंगाल की पहचान काबा से नहीं, मां कालीबाड़ी से है', तो वह दरअसल बंगाली अस्मिता को हिंदुत्व के साथ जोड़कर एक नया नैरेटिव सेट कर रहे होते हैं। उनका सीधा हमला कोलकाता के मेयर के उस बयान पर है जिसमें उर्दू की वकालत की गई थी। योगी यहां स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि बंगाल में केवल बंगाली और भारतीय संस्कृति चलेगी, किसी भी प्रकार का विदेशी प्रभाव या तुष्टिकरण स्वीकार्य नहीं होगा।

दूसरी ओर, अखिलेश यादव की खामोशी उत्तर प्रदेश की राजनीति के भविष्य की ओर इशारा करती है। बंगाल में ममता बनर्जी और अखिलेश के संबंध जगजाहिर हैं। ममता ने यूपी चुनाव में अखिलेश के लिए रैलियां कीं, लेकिन आज जब बंगाल में ममता को उनकी जरूरत थी, तब अखिलेश ने खुद को पीछे खींच लिया। इसके पीछे 'गठबंधन धर्म' का पेचीदा गणित है। बंगाल में कांग्रेस और लेफ्ट एक साथ हैं और टीएमसी के खिलाफ लड़ रहे हैं। यूपी में अखिलेश और कांग्रेस का अटूट साथ है। अगर अखिलेश बंगाल में ममता के मंच पर जाते, तो यूपी में कांग्रेस के साथ उनके रिश्तों में दरार आ सकती थी। भाजपा को यह कहने का मौका मिल जाता कि अखिलेश 'दो नावों की सवारी' कर रहे हैं। साथ ही, बंगाल में जिस तरह से ध्रुवीकरण की राजनीति चरम पर है, अखिलेश नहीं चाहते कि वह ममता के साथ खड़े होकर 'मुस्लिम तुष्टिकरण' के उन आरोपों को खुद पर ओढ़ लें, जिससे वह यूपी में 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के जरिए बचने की कोशिश कर रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ का 'यूपी मॉडल' बंगाल में एक ब्रांड बन चुका है। वह अपनी रैलियों में बार-बार 2017 से पहले के उत्तर प्रदेश और आज के उत्तर प्रदेश की तुलना करते हैं। वह बताते हैं कि कैसे कभी यूपी में माफियाओं का राज था, कैसे सड़कों पर नमाज के नाम पर अराजकता होती थी और कैसे त्योहारों पर पाबंदियां थीं। उनका 'नो कर्फ्यू, नो दंगा, यूपी में सब चंगा' का नारा बंगाल के उन मतदाताओं को आकर्षित कर रहा है जो कानून-व्यवस्था को लेकर चिंतित हैं। योगी का बुलडोजर अब सिर्फ एक मशीन नहीं, बल्कि सुशासन का प्रतीक बन चुका है, जिसे वह बंगाल में टीएमसी के 'गुंडाराज' के खिलाफ एक हथियार के तौर पर पेश कर रहे हैं। वह टीएमसी कार्यकर्ताओं को चेतावनी देते हैं कि भाजपा की सरकार बनते ही अपराधी जेल में होंगे, ठीक वैसे ही जैसे यूपी के माफिया आज बिलों में छिपे हैं या जेल की सलाखों के पीछे हैं।

अखिलेश यादव के लिए चुनौती सिर्फ गठबंधन बचाने की नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर अपनी छवि को बरकरार रखने की भी है। लोकसभा चुनाव में तीसरी बड़ी पार्टी बनने के बाद अखिलेश को भविष्य के पीएम चेहरे के तौर पर देखा जाने लगा है। लेकिन बिहार और अब बंगाल जैसे महत्वपूर्ण राज्यों के चुनावों से उनकी अनुपस्थिति उनके 'नेशनल एंबिशन' पर सवाल खड़े करती है। क्या वह केवल यूपी के नेता बनकर रह जाना चाहते हैं? या फिर वह हिंदुत्व बनाम तुष्टिकरण की इस जंग में खुद को इतना सुरक्षित रखना चाहते हैं कि यूपी के बहुसंख्यक वोटों में कोई बिखराव न हो? राजनीतिक जानकार मानते हैं कि अखिलेश यादव इस समय भाजपा के 'सांप्रदायिक ध्रुवीकरण' के जाल में नहीं फंसना चाहते। वह जानते हैं कि बंगाल में ममता के पक्ष में खड़ा होना सीधे तौर पर भाजपा के हिंदुत्व के पिच पर खेलने जैसा होगा, जो उत्तर प्रदेश में उनके 'पीडीए' समीकरण को बिगाड़ सकता है।

योगी आदित्यनाथ की रैलियों में उमड़ता जनसैलाब और उनका आक्रामक तेवर यह साफ करता है कि भाजपा ने बंगाल को अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया है। योगी का 'गौ-माता' और 'राम' का मुद्दा सीधे तौर पर बंगाल की सांस्कृतिक जड़ों को छूने का प्रयास है। वह ममता बनर्जी के उस 'गुस्से' को ढाल बना रहे हैं जो वह 'जय श्री राम' के नारों पर दिखाती रही हैं। योगी का यह कहना कि 'ममता दीदी राम नाम से चिढ़ती हैं', बंगाल के हिंदू मतदाताओं के मन में एक गहरा प्रभाव छोड़ रहा है। वह इस लड़ाई को 'बंगाली अस्मिता बनाम बाहरी' से मोड़कर 'हिंदुत्व बनाम तुष्टिकरण' पर ले आए हैं। कोलकाता के मेयर के बयान को आधार बनाकर उन्होंने बंगाली अस्मिता को बचाने का जो कार्ड खेला है, उसने टीएमसी की रणनीति को बैकफुट पर धकेल दिया है।

बहरहाल, यह चुनाव केवल बंगाल की सत्ता का फैसला नहीं करेगा, बल्कि यह आने वाले समय में उत्तर प्रदेश और देश की राजनीति की दिशा भी तय करेगा। योगी आदित्यनाथ जहां अपनी 'हिंदुत्ववादी छवि' और 'कठोर प्रशासक' के ठप्पे को और मजबूत कर रहे हैं, वहीं अखिलेश यादव एक 'वेट एंड वॉच' की नीति पर चल रहे हैं। योगी के लिए बंगाल एक प्रयोगशाला है जहां वह अपने यूपी मॉडल की सफलता को परख रहे हैं, ताकि 2027 में वह और अधिक आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतर सकें। वहीं अखिलेश के लिए बंगाल एक ऐसी आग है जिससे वह अपने दामन को बचाकर निकलना चाहते हैं ताकि यूपी की जंग में वह बेदाग रहें। बंगाल के इस चुनावी रण में योगी की 'गर्जना' और अखिलेश का 'मौन' दोनों ही भारतीय राजनीति के भविष्य के गर्भ में छिपे बड़े बदलावों की पटकथा लिख रहे हैं। अब देखना यह है कि बंगाल की जनता योगी के 'रामराज्य' के आह्वान को चुनती है या ममता की 'अकेली लड़ाई' पर मुहर लगाती है।

पापों से मिलेगा छुटकारा, होगी मोक्ष की प्राप्ति

गंगा सप्तमी : ग्रह–नक्षत्र का अद्भुत संयोग, आस्था के साथ भाग्य का भी खुलेगा द्वार

-सुरेश गांधी

गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि भारतीय चेतना की वह जीवंत धारा हैं, जो युगों से मनुष्य के पाप, पीड़ा और मोह को अपने प्रवाह में समेटकर उसे शुद्धि और मुक्ति का मार्ग दिखाती आई हैं। वैशाख शुक्ल सप्तमी को मनाई जाने वाली गंगा सप्तमी इसी दिव्य अवतरण की स्मृति का पर्व है, वह क्षण, जब स्वर्ग से उतरकर मां गंगा भगवान शिव की जटाओं में समाहित हुई और फिर पृथ्वी पर जीवन का अमृत बनकर बह चलीं। इस वर्ष 23 अप्रैलको यह पर्व ऐसे समय में आ रहा है, जब आस्था के साथ–साथ ग्रह–नक्षत्रों का भी दुर्लभ संयोग बन रहा है। एक ओर श्रद्धालु गंगा में डुबकी लगाकर आत्मशुद्धि और मोक्ष की कामना करेंगे, तो दूसरी ओर आकाशीय गणनाएं यह संकेत दे रही हैं कर्म, भाग्य और आध्यात्मिक उन्नति, तीनों पर एक साथ प्रभाव पड़ने वाला है। काशी के घाटों से लेकर देशभर के तीर्थों तक, यह दिन केवल स्नान और पूजन का नहीं, बल्कि आत्ममंथन और नवआरंभ का अवसर बनकर सामने आता है। मान्यता है कि इस दिन किया गया एक संकल्प जीवन की दिशा बदल सकता है और गंगा की एक डुबकी सात जन्मों के पापों का क्षालन कर सकती है। ऐसे में गंगा सप्तमी केवल परंपरा का निर्वाह नहीं, बल्कि उस सनातन विश्वास का पुनर्पाठ है, जो मनुष्य को अंधकार से प्रकाश और मृत्यु से मोक्ष की ओर ले जाता है

जब धर्म केवल कर्मकांड न रहकर आत्मा की पुकार बन जाए, जब जल की एक बूंद भी मुक्ति का मार्ग दिखाने लगे, तब समझिए कि गंगा सप्तमी का पावन पर्व आ पहुंचा है। यह वह दिन है, जब सनातन परंपरा केवल इतिहास नहीं रहती, बल्कि वर्तमान में सांस लेती हुई एक जीवंत अनुभूति बन जाती है। इस दिन यह पर्व केवल तिथि का उत्सव नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर छिपे पाप, भ्रम और मोह को धोने का आध्यात्मिक संकल्प है। गंगा सप्तमी, जिसे गंगा जयंती और जह्नु सप्तमी भी कहा जाता है, उस क्षण की स्मृति है जब मां गंगा ने पुनः पृथ्वी पर अवतरण कर मानवता को जीवन, शुद्धि और मोक्ष का वरदान दिया। भारतीय संस्कृति में गंगा को नदी के रूप में देखना उसके महत्व को सीमित करना होगा। गंगा उस चेतना का नाम है, जो स्वर्ग से उतरकर पृथ्वी को स्पर्श करती है और फिर मनुष्य के अंतर्मन तक पहुंचती है। गंगा का जल केवल शरीर को शीतल नहीं करता, वह आत्मा को भी निर्मल करता है। यही कारण है कि सनातन धर्म में गंगा को मोक्षदायिनी कहा गया है। यह मान्यता केवल धार्मिक विश्वास नहीं, बल्कि पीढ़ियों के अनुभव का सार है। गंगा के तट पर खड़े होकर जब कोई व्यक्ति जल में डुबकी लगाता है, तो वह केवल स्नान नहीं करता, वह अपने भीतर के अहंकार, पाप और अज्ञान को भी धोने का प्रयास करता है।

इस वर्ष गंगा सप्तमी केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि ज्योतिषीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण दिन बनकर सामने आ रही है। इस दिन जहां एक ओर गंगा अवतरण की पावन स्मृति है, वहीं दूसरी ओर ग्रह-नक्षत्रों का ऐसा संतुलन बन रहा है, जो कर्म, भाग्य और आध्यात्मिक उन्नतिकृतीनों को एक साथ प्रभावित करता है। यह दिन एक तरह से आस्था और ज्योतिष का संगम है, जहां स्नान-पूजन के साथ ग्रहों की स्थिति भी जीवन की दिशा तय करने में भूमिका निभा रही है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार गंगा सप्तमी के आसपास ग्रहों की स्थिति इस प्रकार रहेगी, गुरु (बृहस्पति) : मिथुन राशि में, शनि : मीन राशि में, राहु : कुंभ राशि, केतु : सिंह राशि, सूर्य : मेष राशि (उच्च प्रभाव क्षेत्र), चंद्रमा : जल तत्व से जुड़ी राशि (आध्यात्मिकता को बढ़ाने वाला). खास यह है कि राहु-केतु कुंभ और सिंह में स्थिर हैं और यह गोचर पूरे 2026 तक प्रभावी रहेगा। जबकि हीं गुरु का मिथुन में होना ज्ञान, संचार और नए अवसरों का संकेत देता है, जबकि शनि का मीन में होना कर्म और आध्यात्मिक परीक्षण का समय दशार्ता है।

इस दिन बनने वाले प्रमुख योग और संयोग

1. धर्म-कर्म संतुलन योग : गुरु (धर्म) और शनि (कर्म) का संतुलन एक ऐसा योग बना रहा है, जो व्यक्ति को कर्म के आधार पर फल दिलाता है। यानी मेहनत का फल निश्चित, कर्म आधारित सफलता, आध्यात्मिक झुकाव.

2. गंगा प्रभाव योग (जल तत्व सक्रिय) : चंद्रमा और मीन राशि में शनि की उपस्थिति जल तत्व को मजबूत कर रही है। इसलिए, गंगा स्नान का प्रभाव कई गुना बढ़ेगा. मानसिक शांति और शुद्धि का अनुभव होगा.

3. राहु-केतु कर्म परिवर्तन योग : राहु कुंभ (भविष्य, तकनीक, समाज) और केतु सिंह (अहंकार, सत्ता) में, यह योग संकेत देता है : अहंकार का त्याग, नई दिशा में जीवन परिवर्तन. अचानक अवसर या चुनौतियां.

4. सूर्य उच्च प्रभाव (मेष में) : सूर्य मेष राशि में शक्ति देता है, आत्मविश्वास में वृद्धि, नेतृत्व क्षमता, नए कार्यों की शुरूआत के लिए उत्तम समय है.

इन राशियों को होगा विशेष लाभ?

1. मिथुन राशि : गुरु आपकी राशि में, करियर और धन के नए अवसर, गंगा स्नान से भाग्य वृद्धि. यह आपके लिए भाग्य उदय काल जैसा समय है।

2. कुंभ राशि : राहु आपकी राशि में, अचानक सफलता, तकनीकी क्षेत्र में लाभ, सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, लेकिन निर्णय सोच-समझकर लें।

3. मीन राशि : शनि आपकी राशि में, कर्म का फल मिलेगा, आध्यात्मिक उन्नति, गंगा सप्तमी का प्रभाव सबसे ज्यादा महसूस होगा।

4. मेष राशि : सूर्य आपकी राशि में, ऊर्जा, आत्मविश्वास और सफलता. नए कार्यों की शुरूआत शुभ.

मध्यम लाभ वाली राशियां : वृषभ, कर्क, तुला, धनु. इन राशियों को सामान्य से बेहतर फल मिलेगा, लेकिन मेहनत जरूरी होगी।

सावधानी रखने वाली राशियां

सिंह (केतु प्रभाव), कन्या, वृश्चिक, मकर मानसिक भ्रम, निर्णय में देरी, स्वास्थ्य का ध्यान रखें.

क्या करें इस दिन? (ज्योतिषीय उपाय)

ग्रहों के इस विशेष संयोग को और अधिक शुभ बनाने के लिए, गंगा स्नान या गंगाजल से स्नान. ॐ नमः शिवाय का जाप. शिवलिंग पर गंगाजल अर्पित करें. दान (जल, वस्त्र, अन्न) करें. दीपदान अवश्य करें. विशेष रूप से राहु-केतु के प्रभाव को शांत करने के लिए, काले तिल का दान, गरीबों को भोजन.

आस्था और ग्रह, दोनों का संगम

गंगा सप्तमी केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि यह एक ऐसा क्षण है जब आकाश और आस्था एक ही दिशा में प्रवाहित होते दिखते हैं। ग्रह-नक्षत्र संकेत दे रहे हैं, यह समय केवल पूजा का नहीं, बल्कि स्वयं को बदलने का है। गंगा हमें बाहर से शुद्ध करती हैं, और ग्रह हमें भीतर से दिशा देते हैं। ऐसे में 23 अप्रैल का यह दिन एक संदेश देता है, यदि कर्म शुद्ध हो, आस्था सच्ची हो और संकल्प दृढ़ हो, तो भाग्य भी आपके पक्ष में बहने लगता है... ठीक गंगा की धारा की तरह।

तप, त्याग और तारण की कथा

गंगा सप्तमी की कथा केवल एक धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि मानव संकल्प और ईश्वरीय कृपा का अद्भुत संगम है। राजा भगीरथ की तपस्या इसका केंद्र है, एक ऐसा संकल्प, जिसने स्वर्ग की नदी को पृथ्वी पर आने के लिए विवश कर दिया। अपने पूर्वजों की मुक्ति के लिए उन्होंने वर्षों तक कठोर साधना की। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने गंगा को पृथ्वी पर भेजने का वर दिया, परंतु उनके प्रचंड वेग को नियंत्रित करने की चुनौती सामने थी। तब भगवान शिव ने अपनी जटाओं में गंगा को धारण कर इस संकट का समाधान किया। यह प्रसंग केवल एक पौराणिक घटना नहीं, बल्कि यह संकेत है कि जब भी जीवन में अति का प्रवाह हो, उसे संतुलित करने के लिए धैर्य और संयम आवश्यक है।

पुनर्जन्म और पुनरुत्थान का प्रतीक

गंगा के पुनः प्राकट्य की कथा, जह्नु सप्तमी, भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। ऋषि जह्नु द्वारा गंगा को पुनः प्रकट करना यह संदेश देता है कि जीवन में विनाश के बाद भी पुनर्जन्म संभव है। यह कथा हमें यह सिखाती है कि जब भी जीवन में बाधाएं आएं, तो धैर्य और विश्वास के साथ पुनः उठ खड़ा होना ही सच्ची साधना है। एक अन्य कथा के अनुसार, जब गंगा पृथ्वी पर बह रही थीं, तब उनके वेग से ऋषि जह्नु का आश्रम प्रभावित हुआ। क्रोधित होकर उन्होंने गंगा को पी लिया। देवताओं और भगीरथ के अनुरोध पर उन्होंने गंगा को अपने कान से पुनः प्रकट किया। इस कारण गंगा को ज जा कहा गया और यह दिन जह्नु सप्तमी के रूप में भी मनाया जाता है।

काशी : जहां गंगा केवल बहती नहीं, बसती हैं

आस्था की राजधानी काशी में गंगा सप्तमी का स्वरूप और भी विराट हो जाता है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के सान्निध्य में यह पर्व केवल मनाया नहीं जाता, बल्कि जिया जाता है। यहां गंगा केवल नदी नहीं, बल्कि गृहदेवीह्व हैं। काशी के घाटों पर जब श्रद्धालु गंगा स्नान करते हैं, तो वह केवल परंपरा का निर्वहन नहीं होता, बल्कि एक आध्यात्मिक संवाद होता है, मनुष्य और ईश्वर के बीच। घाटों पर जलते दीप, गूंजते मंत्र, और बहती गंगा, ये सभी मिलकर एक ऐसा वातावरण रचते हैं, जहां समय ठहर जाता है और आत्मा अपने मूल स्वरूप को पहचानने लगती है।

समाज और संस्कृति में गंगा सप्तमी का स्थान

गंगा सप्तमी केवल धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना का भी प्रतीक है। यह पर्व हमें यह याद दिलाता है प्रकृति के प्रति श्रद्धा ही संस्कृति का आधार है. जल केवल संसाधन नहीं, जीवन का मूल है और परंपराएं केवल अतीत की विरासत नहीं, वर्तमान की आवश्यकता भी हैं. आज जब नदियां प्रदूषण और उपेक्षा का शिकार हो रही हैं, तब गंगा सप्तमी जैसे पर्व हमें यह सोचने पर मजबूर करते हैं कि क्या हम वास्तव में उस गंगा का सम्मान कर पा रहे हैं, जिसे हम देवी मानते हैं?

शेषवंशी क्षत्रिय भंडारी समाज खाद्य महोत्सव व क्रीड़ा प्रतियोगिता संपन्न, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के तारापूर - कुडण क्षेत्र में 18 से 19 अप्रैल 2026 तक शेषवंशी क्षत्रिय भंडारी समाज द्वारा आयोजित खाद्य महोत्सव व क्रीडा प्रतियोगिता में समाज के विभिन्न वर्गों ने भाग लिया। इस भव्य आयोजन में समाज के सभी भगिनी व बांधवों ने मिलकर उत्साहपूर्वक प्रतिस्पधाओं में भाग लिया, जहां क्रिकेट प्रीमियर लीग के रोमांचक मुकाबलों ने सबका ध्यान खींचा।

प्रतियोगिता का उद्घाटन 18 अप्रैल को साक्षात्कार मैदान में हुआ, जिसमें समाज के प्रमुख लोग जैसे आयोजक सुशील चुरी, रजनीकांत पाटील, प्रमुख पाहुणे सोमिल देसाई, ऋतिका झुनझुनवाला व अन्य मान्यवरों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर समूचे समाज ने एकत्रित होकर समाजिक एकता व सहयोग का परिचय दिया। क्रिकेट प्रीमियर लीग के अंतर्गत विभिन्न टीमों ने भाग लिया, जिनमें से एचडी टायगर्स (कुडण) ने पहली पोजीशन हासिल की तथा शिव तेज आसनगाव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को पुरस्कार के रूप में नकद राशि व चषक प्रदान किये गये। इसके अलावा, विभिन्न अन्य खेलों जैसे संगीत खुर्ची, पैठणी, थ्रो बॉल, रस्सीखेच व हॉली बॉल में भी बडे. उत्साह के साथ प्रतिस्पधाएं हुईं।

खाद्य महोत्सव में समाज के विभिन्न सदस्य अपने खास पकवानों से उपस्थितजनों को लुभाते नजर आए। इस दौरान समाज के विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने न केवल खेलों का आनंद लिया, बल्कि एक दूसरे से मिलकर अपने विचारों का आदान-प्रदान भी किया।

इस विशाल कार्यक्रम की योजना और आयोजन में समाज के अध्यक्ष रजनीकांत पाटील व कृषी सभापती सुशील चुरी ने अहम भूमिका निभाई। उनके मार्गदर्शन में यह महोत्सव समाज के लिए एक अविस्मरणीय अवसर बन गया, जहां समाज के सदस्य एकजुट होकर न केवल खेलों में हिस्सा लेते हुए आनंदित हुए, बल्कि समाज के कल्याण के लिए भी मिलजुल कर कार्य करने का संकल्प लिया। आयोजक समिति ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की, जिसमें अक्षय किणी, रोहन पाटील, मुरमेश पाटील, प्रसाद पाटील, अमोघ म्हात्रे, आकाश म्हात्रे, हृदांश चुरी, यतीन म्हात्रे, अक्षत म्हात्रे, दर्शन म्हात्रे, विजय म्हात्रे, आशिष म्हात्रे, दीपक ठाकूर, मनीष म्हात्रे, संदीप सर, चिन्मय चुरी, प्रथम किणी, कुणाल सुनील म्हात्रे, हेरंब म्हात्रे, विक्की ठाकूर, पंकज पाटील, मोहन म्हात्रे, संजय पाटील, दीपक म्हात्रे, धनंजय म्हात्रे, सिद्धेश, निकेत म्हात्रे आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन दीपक ने किया। अंत में आयोजक सुशील चुरी ने सभी भागीदारों व सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए, इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से समाज में एकता एवं सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया।

भिवंडी-कल्याण मेट्रो परियोजना को बढ़ी लागत के साथ भिवंडी में बनेगा भूमिगत मार्ग: विधायक रईस शेख

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के विकास का बहुप्रतीक्षित ठाणे-भिवंडी-कल्याण मेट्रो लाइन-5 परियोजना को आखिरकार नई गति मिल गई है। महाराष्ट्र सरकार ने इस परियोजना के शेष हिस्से के लिए अतिरिक्त निधि को मंजूरी देते हुए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। बुधवार (22 अप्रैल) को मुंबई में हुई मंत्रिमंडल उपसमिति की बैठक में इस संबंध में शासनादेश जारी किया गया। यह जानकारी विधायक रईस शेख ने भिवंडी में आयोजित पत्रकार परिषद में दी। उन्होंने बताया कि मेट्रो लाइन-5 के दूसरे चरण में धामणकर नाका से दुगार्डी चौक तक तथा विस्तारित परियोजना 5अ के तहत दुगार्डीझआधारवाड़ीझखडकपाडाझकल्याण और भोईरवाड़ीझउल्हासनगर मार्ग के क्रियान्वयन के लिए संशोधित लागत को मंजूरी दी गई है। पहले चरण में ठाणे से भिवंडी तक 11.900 किमी लंबाई में 6 स्टेशन बनाए जाएंगे, जिस पर लगभग 6741.34 करोड़ रुपये खर्च होंगे। वहीं, धामणकर नाका से दुगार्डी तक 10.475 किमी के हिस्से में साईबाबा नाका तक भूमिगत मेट्रो मार्ग बनाया जाएगा। इस हिस्से में कुल 6 स्टेशन होंगे, जिनमें से एक स्टेशन भूमिगत होगा। इस चरण के लिए 7326.13 करोड़ रुपये का खर्च अनुमानित है। पूरे प्रोजेक्ट की शुरूआती लागत 8416.51 करोड़ रुपये तय की गई थी, लेकिन समयावधि बढ़ने के कारण अब इसमें अतिरिक्त खर्च किया जाएगा। विधायक रईस शेख ने कहा कि वे इस परियोजना को लेकर शुरूआत से ही प्रयासरत थे, जिसके चलते सरकार ने यह अहम निर्णय लिया है। उन्होंने यह भी बताया कि भिवंडी में जहां भूमिगत मेट्रो का निर्माण होगा, वहीं संकरी पुलों को हटाकर चार लेन के नए फ्लाईओवर बनाए जाएंगे। इसके लिए नगर निगम द्वारा जल्द ही सड़क चौड़ीकरण का काम भी शुरू किया जाएगा।

डॉ. अनुराग राकेश तिवारी बने परिवार व क्षेत्र का गौरव

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर शहर के मनीष कॉम्प्लेक्स निवासी डॉ. अनुराग राकेश तिवारी ने अपनी कड़ी मेहनत व समर्पण से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त कर अपने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कोविड-19 महामारी के चुनौतीपूर्ण दौर में, वर्ष 2020 में जब परिस्थितियाँ कठिन थीं, तब उन्होंने लोकमान्य तिलक मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लिया और अपनी पढ़ाई पूरी कर डॉक्टरी की उपाधि प्राप्त की। डॉ. अनुराग को यह प्रतिष्ठित डिग्री कॉलेज के डीन डॉ. प्रमोद निगाले द्वारा प्रदान की गई। इस अवसर पर डॉ. यासमीन काजी, डॉ. वरुण वानी, डॉ. छाया शिंदे व नायर हॉस्पिटल की डीन डॉ. दीक्षित भी उपस्थित थीं। बतादें कि डॉ. अनुराग अपने परिवार के साथ-साथ अपने मूल गांव छपरा जिले के ग्राम देवढ़िया (बिहार) के पहले सदस्य हैं, जिन्होंने एमबीबीएस की डिग्री हासिल की। उनके इस सफल प्रयास से उनके गांव और परिवार में खुशी की लहर है और इसे एक प्रेरणादायक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। डॉ. अनुराग के पिता राकेश तिवारी एक संस्थान का संचालन करते हैं, जबकि उनकी माता पुष्पा तिवारी गृहिणी हैं। उनके छोटे भाई अंशु तिवारी भी प्रेरणादायक कदम बढ़ाते हुए पायलट प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। डॉ. अनुराग की इस उपलब्धि से बोईसर क्षेत्र में गर्व और खुशी का माहौल है। उनकी सफलता क्षेत्रीय युवाओं के लिए एक प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

डा. बाबासाहेब आंबेडकर जयंती का बैनर हटाने पर महिला उपसरपंच और पति के खिलाफ मामला दर्ज

भिवंडी। भिवंडी तालुका वज्रेश्वरी ग्राम पंचायत क्षेत्र में भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की जयंती के अवसर पर लगाए गए बैनर को हटाने के मामले में महिला उपसरपंच और उनके पति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई भीम अनुयायियों की शिकायत के आधार पर की गई। पुलिस के अनुसार, वज्रेश्वरी ग्राम पंचायत की उपसरपंच सायली पाठारी और उनके पति संदीप पाठारी ने 14 अप्रैल को डॉ. आंबेडकर की 135वीं जयंती के मौके पर लगाए गए शुभेच्छा बैनर को कथित रूप से हटाकर फेंक दिया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय भीम अनुयायी मौके पर पहुंचे और विरोध जताया। इसके बाद कैलास जाधव की शिकायत पर गणेशपुरी पुलिस स्टेशन में दोनों के खिलाफ अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

अक्षय कुमार ने अपने शिक्षक के अनुशासन को याद किया, स्कूल जूनियर के साथ भावुक पुनर्मिलन में

मुंबई/पटना। व्हील ऑफ फॉर्च्यून के ताजा एपिसोड में दर्शकों ने होस्ट अक्षय कुमार का एक भावुक और निजी पहलू देखा। जहां शुरूआत में कंटेस्टेंट्स नियत, स्निहान और निशेता के बीच मुकाबला चल रहा था, वहीं एक पल ने शो को दिल छू लेने वाला मोड़ दे दिया जब अक्षय का अपने स्कूल जूनियर से जुड़ाव सामने आया। पजल राउंड के बाद कंटेस्टेंट स्निहान, जो पेशे से इवेंट मैनेजर हैं, ने सबको चौंका दिया जब उन्होंने बताया कि वे उसी स्कूल में पढ़े हैं जिसमें अक्षय कुमार ने पढ़ाई की थी। यह जुड़ाव और गहरा हो गया जब स्निहान ने बताया कि उनका ट्यूशन टीचर भी वही था जिसने अक्षय को पढ़ाया था। उन्होंने कहा, सर, मैंने उसी स्कूल के ट्यूशन टीचर के साथ पढ़ाई की है जिसने आपको सिखाया है... पांडे सर। इस खुलासे ने अक्षय को अपने दिवंगत शिक्षक पांडे सर की याद दिला दी। अक्षय ने कहा, ये जिनके बारे में बोल रहा हूँ, वो मेरे भी शिक्षक रह चुके हैं, उनका नाम पांडे सर था। पांडे सर की एक आदत थी कि पढ़ाते समय उनके हाथ में हमेशा एक डंडा रहता था, और मैं काफी शरारती था, और वो मारने से पहले सोचते नहीं थे। लेकिन कुछ भी हो, पांडे सर से मैंने बहुत कुछ सीखा है।

भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष विक्रम तरे की अगुवाई में विरोध मोर्चा

कल्याण (उत्तरशक्ति)। लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन बिल गिरने के बाद कल्याण की सियासत गरमा गई है। इस मुद्दे पर अब सड़कों पर भी राजनीतिक टकराव देखने को मिल रहा है। कल्याण पूर्व के साकेत कॉलेज परिसर में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा ने कांग्रेस के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस को महिला विरोधी बताते हुए जमकर नारेबाजी की।

कार्यकर्ताओं के हाथों में महिला विरोधी कांग्रेस और महिलाओं के अधिकार का अपमान जैसे नारों वाले पोस्टर देखे गए। इस प्रदर्शन की अगुवाई युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष विक्रम तरे ने की। विक्रम तरे ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने महिलाओं से उनका अधिकार छीन लिया है। उनका आरोप है कि विपक्ष ने न सिर्फ इस बिल का विरोध किया, बल्कि महिला आरक्षण के खिलाफ ही खड़ा हो गया। फिलहाल, इस मुद्दे को लेकर कल्याण में राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमाया हुआ है। आने वाले दिनों में यह विवाद और तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

कल्याण में 70 हजार रुपये की साइबर ठगी, हेल्पलाइन में शिकायत के बाद भी नहीं मिली राहत

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण के निवासी विजय मुदलियार के साथ साइबर ठगी का मामला सामने आया है, जिसमें उनसे करीब 70 हजार रुपये की ठगी की गई। पीड़ित ने राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई, जहां उनकी शिकायत स्वीकार भी की गई, लेकिन कल्याण के बाजारपेठ पुलिस स्टेशन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने का आरोप उन्होंने लगाया है।

कल्याण पश्चिम के लाल चौकी क्षेत्र में रहने वाले विजय मुदलियार एक निजी कंपनी में काम करते हैं। 7 अप्रैल को उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया, जिसमें बताया गया कि उनके क्रेडिट कार्ड में कुछ समस्या है। समस्या हल करने के लिए उन्हें एक लिंक भेजी गई और उसे खोलने को कहा गया।

मुदलियार ने जैसे ही लिंक खोली, उसके बाद 10 अप्रैल को उन्हें पता चला कि उनके बैंक खाते से 12 बार में 3,599 रुपये काटे गए हैं, जो कुल मिलाकर लगभग 43 हजार रुपये होते हैं। यह ट्रांजैक्शन उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर से किया गया था।

इसके बाद 16 अप्रैल तक उनका मोबाइल नंबर भी बिना उनकी जानकारी के पोर्ट कर दिया गया, जिससे उनका नंबर बंद हो गया। जब उन्होंने जियो और एयरटेल के स्टोर में जाकर जांच की, तब सामने आया कि उनके सैलरी अकाउंट से 18 हजार रुपये और एक अन्य खाते से 10 हजार रुपये और निकाल लिए गए। इस तरह कुल मिलाकर लगभग 70 हजार रुपये की ठगी हुई।

जिस नंबर से उन्हें कॉल आया था, वह झारखंड का बताया जा रहा है। घटना का पता चलते ही उन्होंने राष्ट्रीय साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क किया, जहां उनकी शिकायत दर्ज की गई। लेकिन जब वे कल्याण के बाजारपेठ पुलिस स्टेशन पहुंचे, तो उन्हें यह कहकर लौटा दिया गया कि हेल्पलाइन से उन्हें कोई जानकारी प्राप्त नहीं हुई है।

अब ठगी का शिकार हुए मुदलियार के सामने यह सवाल खड़ा हो गया है कि आखिर वह न्याय के लिए किसके पास जाएं।

बदलापुर नगरपालिका की बैठक में जमकर हंगामा

बदलापुर (उत्तरशक्ति)। बदलापूर में नगर पालिका की बैठक में जमकर हंगामा हुआ। एक पत्र को लेकर शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि सभा में ही नेताओं के बीच तीखी नोकझोंक और धक्का-मुक्की देखने को मिली। दरअसल, शिक्षक विधायक ज्ञानेश्वर म्हात्रे के एक पत्र को लेकर विवाद शुरू हुआ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नगरसेवक प्रभाकर पाटील द्वारा दिए गए बयान पर आपत्ति जताई गई, जिसके बाद माहौल अचानक गरमा गया। इस दौरान शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस के कार्यकताओं के बीच जोरदार बहस हुई, जो देखते ही देखते हंगामे में बदल गई। विधायक के भाई वामन म्हात्रे और तुकाराम म्हात्रे भी इस विवाद में कूद पड़े और सभा में जमकर बहस हुई।स्थिति

इतनी बिगड़ गई कि नगर पालिका परिसर के बाहर भी तनाव का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता वहां जमा हो गए, जिससे पुलिस व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं कि इतनी भीड़ आखिर अंदर पहुंची कैसे ,स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस की मौजूदगी के बावजूद हालात पर तुरंत काबू नहीं पाया जा सका। हालांकि, नगराध्यक्ष रुचिता घोरपड़े ने बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया, जिसके बाद स्थिति नियंत्रण में आई और बड़ा टकराव टल गया।फिलहाल इस घटना के बाद इलाके में राजनीतिक माहौल गमार्या हुआ है। सवाल उठ रहे हैं कि आखिर जनप्रतिनिधियों की बैठक में इस तरह का हंगामा क्यों और कैसे हुआ?

भिवंडी का पीस पार्क बना शांति और आध्यात्मिकता का प्रतीक, 25 वर्ष पूरे होने पर रजत जयंती समारोह धूमधाम से संपन्न

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका और प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में कामतघर स्थित पीस पार्क उद्यान के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती समारोह का भव्य आयोजन किया गया। गौरतलब है कि करीब 25 वर्ष पूर्व भिवंडी मनपा द्वारा इस उद्यान को करार के तहत प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय को सौंपा गया था। तब से लेकर आज तक पीस पार्क समाज उत्थान, शांति, सद्भावना और आध्यात्मिक जागरूकता का केंद्र बना हुआ है। रजत जयंती के अवसर पर वृक्षारोपण, दीप प्रज्वलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और ब्रह्मा भोजन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभाग लिया। इस मौके पर भिवंडी मनपा के पूर्व आयुक्त आर.डी. शिंदे, महापौर नारायण चौधरी, उपमहापौर तारिक मोमिन, भाजपा गटनेता संतोष शेट्टी, नगरसेवक राजेश शेट्टी, कमलाकर पाटिल, नीलेश चौधरी, शिवसेना (उद्धव गुट) जिल्हाप्रमुख कुंदन पाटिल, आरपीआई अध्यक्ष महेंद्र गायकवाड़, मोहन कोंडा,

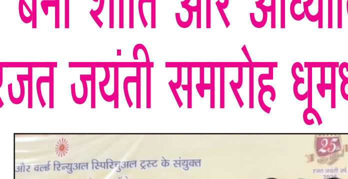

स्वाति कांबले सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय आबू राज से संयुक्त मुख्य प्रशासिका संतोष दीदी और कल्याण सब-जोन संचालिका अलका दीदी की विशेष उपस्थिति रही। सभी अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, शाखा कल्याण-भिवंडी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन शैलेश मांजरेकर ने किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने पीस पार्क को शहर में आध्यात्मिक ऊर्जा और सामाजिक समरसता का प्रतीक बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

मुंबई के वी क्लब ने दाभोण पिलेनापाडा जिला परिषद विद्यालय को पहुंचायी सहायता

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले की डहाणू तहसील के जिला परिषद विद्यालय दाभोण पिलेनापाडा में वी क्लब ऑफ विलेपार्ले, मुंबई द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय को कुल एक लाख सत्तावन हजार रुपये की सामग्री व सुविधाएं प्रदान की गईं। इस सहायता में विद्यालय के लिए दो मंजिलों में सुरक्षित लोहे की ग्रिल, स्टूल, टेबल, दिव्यांग छात्रों के लिए संसाधन, कपाट, कंपाउंड की रंगरंगोटी व बच्चों के बैठने के लिए सतरंजियों का भी योगदान शामिल है। कार्यक्रम में विद्यालय की मुख्याध्यापिका प्रतिभा क्षीरसागर कदम तथा विद्यालय के व्यवस्थापन समिति अध्यक्ष बारकू दलवी ने वी क्लब की संस्थापक अध्यक्षा भूषण केसरकर - नार्वेकर का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर वी क्लब की राष्ट्रीय बहुअध्यक्षा सरोजा, पूर्व अध्यक्षा चारुता भोगले, विद्यमान अध्यक्षा मीना पेठे, सचिव अर्चना गावडे, खजिनदार सुषमा

ऐकावट्टी, उपाध्यक्षा उज्ज्वला बोरकर, सदस्या शबनम मर्चंट, गीतांजली ठाकूर एवं प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. स्मिता मालवदे (सेवानिवृत्त मुख्याध्यापिका व राज्य पुरस्कार प्राप्त कवयित्री) उपस्थित थीं।

डॉ. स्मिता मालवदे ने वी क्लब व मुख्याध्यापिका प्रतिभा कदम के योगदान पर एक सुंदर स्वरचित कविता पढ़ी और छात्रों को प्रेरणादायक मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम के सफल संचालन में विद्यालय के शिक्षक कमलाकर मातेरा, अशोक तल्हा, भरत म्हसकर, प्रितीजा चुरी, ललिता कोम और चंदू करमोडा का भी विशेष योगदान रहा।

मुख्याध्यापिका प्रतिभा कदम ने जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, प्राथमिक शिक्षणाधिकारी सोनाली मातेकर, माध्यमिक शिक्षा अधिकारी अशोक पाटील, गटशिक्षण अधिकारी संजय वाघ, विस्तार अधिकारी निलीमा संखे और केंद्र प्रमुख शैलेश राऊत का भी आभार व्यक्त किया।

पालघर जिला परिषद में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी के तौर पर राजेंद्र पाटील की नियुक्ति

पालघर(उत्तरशक्ति)। राजेंद्र पाटील को पालघर जिल्हा परिषद में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (अउएड) के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने बुधवार 22 अप्रैल 2026 को अपने पद का कार्यभार ग्रहण किया। पाटील, जो कि 2002 बैच के एमपीएससी अधिकारी हैं, प्रशासनिक क्षेत्र में एक लंबा और समृद्ध अनुभव रखते हैं।

राजेंद्र पाटील ने अपनी करियर की शुरूआत गटविकास अधिकारी के रूप में जलगाव व मेहकर (जिला बुलढाणा) में की थी।

इसके बाद, उन्होंने उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में साप्रवी बुलढाणा और नंदुरबार जिला परिषद में कार्य किया। उन्होंने अमरावती विभागीय आयुक्त कार्यालय में सहायक आयुक्त (तपासणी) के तौर पर भी अपनी जिम्मेदारी निभाई। इसके अतिरिक्त, पाटील नंदुरबार और नाशिक जिला परिषद में प्रकल्प संचालक व उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) के पद पर भी कार्यरत रहे हैं। वर्तमान में, वे राज्य निर्वाचन आयोग में उपायुक्त के पद पर कार्यरत थे, जहां से उन्हें पालघर जिला परिषद में पदोन्नति के रूप में यह नई जिम्मेदारी दी गई है। शैक्षिक दृष्टिकोण से, पाटील ने एम.ए., एम.एड. की डिग्री प्राप्त की है और उन्होंने रएळ परीक्षा भी उत्तीर्ण की है। प्रशासनिक सेवा में आने से पहले उन्होंने धुले जिले के विद्यावर्धिनी महाविद्यालय में वरिष्ठ प्राध्यापक के रूप में भी कार्य किया। राजेंद्र पाटील का स्वागत करते हुए, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने उन्हें पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सामान्य प्रशासन) इजाज अहमद शरीक मसलत, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) अशोक पाटील व अन्य विभाग प्रमुखों ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं।

बतादें कि इस पद से पहले रवींद्र शिंदे सेवानिवृत्त हो गए थे, और उनकी जगह पर डॉ. रूपाली सातपुते, प्रकल्प संचालिका, जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा को प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया था। सातपुते की पदोन्नति होकर उन्हें 21 अप्रैल को रायगड जिला परिषद में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में कार्यभार सौंपा गया।

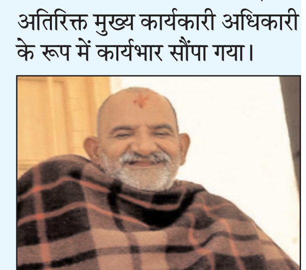

नीम करौली बाबा

भिवंडी पूर्व विधानसभा के विधायक रईस शेख ने पानी समस्या को लेकर आयुक्त को सौपा ज्ञापन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी महानगरपालिका क्षेत्र में पानी की समस्या को लेकर सियासत तेज हो गई है। भिवंडी पूर्व विधानसभा के विधायक रईस शेख ने मनपा प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि शहर में पर्याप्त जल उपलब्ध होने के बावजूद खराब नियोजन के कारण नागरिकों को भीषण पानी संकट का सामना करना पड़ रहा है। विधायक शेख के अनुसार, शहर की आबादी के हिसाब से 115 एमएलडी पानी उपलब्ध है जो पर्याप्त है लेकिन वितरण व्यवस्था में कमी और योजना के अभाव के चलते कई इलाकों में पानी की भारी किल्लत बनी हुई है। इस समस्या से नाराज नागरिकों में रोष बढ़ता जा रहा है। उन्होंने मनपा आयुक्त अनमोल सागर को ज्ञापन सौंपने के बाद पत्रकार परिषद में चेतावनी दी कि यदि 15 दिनों के भीतर पानी आपूर्ति को लेकर श्वेतपत्र जारी नहीं किया गया, तो मनपा प्रशासन के खिलाफ उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान उपमहापौर तारिक मोमिन और नगरसेवक भी मौजूद रहे। विधायक ने यह भी कहा कि शासन द्वारा मंजूर 100 एमएलडी अतिरिक्त जल परियोजना की प्रक्रिया मनपा स्तर पर बेहद धीमी गति से चल रही है। उन्होंने मांग की है कि इस परियोजना में हो रही देरी के कारणों को प्रशासन सार्वजनिक करे और जल्द से जल्द इसे अमल में लाए, ताकि नागरिकों को राहत मिल सके।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

लाठी-डंडों से पीटकर 45 वर्षीय व्यक्ति की हत्या

जमीन विवाद ने ली जान, कई घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के बक्शा थाना क्षेत्र के बभनौटी गांव में पुरानी रंजिश और जमीन विवाद ने एक व्यक्ति की जान ले ली। मंगलवार रात करीब साढ़े दस बजे दो पक्षों के बीच हुई हिंसक झड़प में 45 वर्षीय अशोक मिश्र उर्फ पुल्लूर की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी गई। इस घटना में दोनों पक्षों के करीब दस लोग घायल भी हुए हैं।

मृतक अशोक मिश्र का अपने चाचा कमलाकांत मिश्र से लंबे समय से भूमि को लेकर विवाद चल रहा था। बताया जाता है कि कई साल पहले भी दोनों पक्षों में मारपीट हो चुकी थी, जिसके बाद अशोक अपने परिवार के साथ कलीचाबाद में रहने लगे थे। वह नईगंज में आयुर्वेदिक दवा की दुकान चलाते थे और क्षेत्र में वैद्य के रूप में जाने जाते थे। मंगलवार रात अशोक अपने कुछ साथियों के साथ गांव पहुंचे, जहां किसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया और देखते ही देखते दोनों पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चलने लगे। हालात बिगड़ने पर अशोक के साथ आए अधिकांश लोग मौके से भाग निकले। इसके बाद गुस्साए लोगों ने अशोक को खंभे से बांधकर बेरहमी से पीटा। वहीं नईगंज लाइनबाजार निवासी अंकित मिश्र को भी पेड़ से बांधकर मारपीट की गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौपेड़वा भिजवाया, जहां से सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान देर रात अशोक मिश्र की मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर आठ नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

30 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो सड़क पर उतरेगी सपा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लखनऊ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने प्रदेश सरकार पर शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि 30 दिनों के भीतर मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो पार्टी बड़े स्तर पर जनआंदोलन करेगी।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि जौनपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कोहरीडीहा, सोंगर, मानीकलां और जैगहां में उच्च शिक्षा की समुचित व्यवस्था नहीं है। इसके चलते क्षेत्र के हजारों छात्र-छात्राओं को दूरदराज के क्षेत्रों में पढ़ाई के लिए जाना पड़ता है या पढ़ाई बीच में छोड़नी पड़ती है। उन्होंने इसे सरकार की बड़ी विफलता बताया।

उन्होंने मांग की कि इन सभी गांवों में छात्र और छात्राओं के लिए अलग-अलग डिग्री कॉलेज स्थापित किए जाएं, ताकि ग्रामीण युवाओं को बेहतर शिक्षा मिल सके। स्वास्थ्य

सेवाओं पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि इन गांवों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) तक उपलब्ध नहीं हैं, जिससे गरीबों को इलाज के लिए भटकना पड़ता है। उन्होंने प्रत्येक गांव में एक-एक सरकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने और वहां डॉक्टर, दवाइयों व अन्य सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

सपा नेता ने बताया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री को मांगपत्र भेजा जा चुका है और जिलाधिकारी जौनपुर से भी इसे वर्ष 2026-27 की विकास योजना में शामिल कराने की अपील की गई है।

अल्टीमेटम: उन्होंने साफ कहा कि यदि 30 दिनों में कार्रवाई शुरू नहीं हुई, तो समाजवादी पार्टी जौनपुर से लेकर लखनऊ तक बड़ा आंदोलन छेड़ेगी, जिसमें हजारों कार्यकर्ता सड़कों पर उतरेंगे। इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की होगी। अंत में उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा जनता के हक की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी अन्याय के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा।

घर के पीछे शराब पीने का विरोध करने पर दबंगों ने घर में घुसकर की मारपीट, केस दर्ज

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जाफराबाद थाना क्षेत्र के कोड्डा गांव में शराब पीने से मना करने पर दबंगों द्वारा एक परिवार के साथ घर में घुसकर मारपीट कर दी। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

ग्राम कोड्डा निवासी अंकिता तिवारी पत्नी विकाश तिवारी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 20 अप्रैल की रात करीब 10 बजे उनके घर पर मेहमान आए हुए थे। इसी दौरान उनकी बुआ का लड़का घर के पीछे गया, जहां गांव के ही रामा शुक्ला और गोपाल शुक्ला रास्ते पर बैठकर शराब पी रहे थे। जब बुआ के लड़के ने इसका विरोध किया, तो उक्त लोगों ने उसे भद्दी-भद्दी गालियां दीं और मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर उसे घर ले आए। सूचना पर डायल 112 की पुलिस भी मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिस के आने से पहले ही आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले।

घटना के अगले दिन 21 अप्रैल को शाम करीब 4 बजे आरोपी रामा शुक्ला, गोपाल शुक्ला और उनका मित्र सौरभ यादव अपने कुछ अन्य साथियों के साथ पीड़िता के घर के पीछे चक्कर लगाने लगे। आरोप है कि इन लोगों ने असलहा लहराते हुए गाली-गलौज की और घर में घुसकर पूरे परिवार पर हमला कर दिया। इस मारपीट में अंकिता तिवारी के ससुर राजेश तिवारी, पति विकाश तिवारी, सास सुनीता तिवारी और वहां काम करने वाले रामचंद्र हरिजन को गंभीर चोटें आई हैं।

थाना जाफराबाद पुलिस ने इस मामले में रामा शुक्ला, गोपाल शुक्ला, सौरभ यादव व अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। मामले की जांच की जा रही है।

20 दिन में उखड़ी सड़क, 'मौत की राह' बनी

◆ छात्रा गिरी, दुकानदारों का फूटा गुस्सा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चंदवक क्षेत्र में हाल ही में रिपेयर की गई सड़क अब लोगों के लिए जानलेवा

साबित हो रही है। चंदवक चौराहे से अहिरौली होते हुए गोनौली तक करीब 2 किलोमीटर लंबी सड़क महज 20 दिन में ही उखड़ गई। सड़क पर डाली गई गिट्टियां पूरी तरह बिखर चुकी हैं, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, बाइक सवार लगातार फिसलकर घायल हो रहे हैं। स्थिति उस समय और गंभीर हो गई जब ब्लॉक के सामने स्थित राष्ट्रीय विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की एक छात्रा साइकिल से गिरकर चोटिल हो गई।

घटना के बाद दुकानदारों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित दुकानदारों ने झाड़ू और फावड़े से सड़क पर फैली गिट्टियों को खुद ही हटाकर किनारे किया, ताकि और दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

बताया जा रहा है कि करीब पखवाड़े भर पहले भी दुकानदारों ने किसान नेता अजीत सिंह के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया था। उस समय अधिकारियों ने जांच और दोबारा मरम्मत का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले सड़क की हालत बेहतर थी, लेकिन एनएचएआई द्वारा कराई गई मरम्मत के बाद स्थिति और खराब हो गई है। उड़ती धूल और लगातार हो रही दुर्घटनाओं से लोग परेशान हैं।

विरोध करने वालों में आलोक सिंह, महेंद्र प्रजापति, राजेश सिंह, छोटे लाल चौबे, पंकज यादव, महेंद्र यादव, उमेश बरनवाल और लल्ली गोंड समेत कई लोग शामिल रहे। अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर जिम्मेदार अधिकारी कब जागेंगे और इस 'मौत की सड़क' से लोगों को कब राहत मिलेगी।

भ्रष्टाचार के खिलाफ 1716 दिनों से सत्याग्रह जारी, आंदोलनकारियों ने उठाए कई गंभीर मुद्दे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद जौनपुर के कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में कथित

घोटाले, भ्रष्टाचार और पत्रकार उत्पीड़न के विरोध में चल रहा सत्याग्रह आंदोलन 1716वें दिन भी जारी रहा। यह अनवरत धरना 9 अगस्त 2021 से आंदोलनकारी यशवंत कुमार गुप्त के नेतृत्व में चल रहा है।

आंदोलन के दौरान भूमि अधिग्रहण में अनियमितताओं और जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायतों के कथित फर्जी निस्तारण का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। यशवंत कुमार गुप्त ने कहा कि आंदोलन जांच के मुख्य बिंदुओं पर अडिग है और जब तक निष्पक्ष जांच एवं समाधान नहीं होता, तब तक यह संघर्ष जारी रहेगा।

सत्याग्रह के दौरान सिरकोनी बाजार (इजरी) में हुई भीषण डकैती के आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग भी उठाई गई। आंदोलनकारियों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई कर न्याय सुनिश्चित करने की अपील की।

इस मौके पर राम बहाल यादव, राजितराम यादव, नंदलाल रावत, विजय प्रकाश मिश्र, राम आसरे विश्वकर्मा, प्रेम प्रकाश मिश्र, विजय प्रताप सिंह, अमरेश कुमार पांडेय, आदित्य नारायण शर्मा सहित दर्जनों समर्थक उपस्थित रहे और आंदोलन को अपना समर्थन दिया।

आंदोलनकारियों का कहना है कि जब तक भ्रष्टाचार के मामलों में पारदर्शिता और दोषियों पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका सत्याग्रह लगातार जारी रहेगा।

तेज रफ्तार कार की चपेट में सिपाही गंभीर रूप से घायल, चालक फरार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के सिकरारा थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद कार चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सराय ख्वाजा थाना में तैनात सिपाही रंजीत यादव (40 वर्ष), पुत्र स्वर्गीय अमरनाथ, मूल निवासी पीतरीपुर थाना सीकरी, जनपद

गोरखपुर, किसी कार्य से बाइक द्वारा मछलीशहर की ओर गए थे। वापसी के दौरान सिकरारा थाना क्षेत्र के गुलजारगंज स्थित लखनऊ-वाराणसी हाईवे के पास तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सिपाही गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची सिकरारा पुलिस ने घायल सिपाही को तत्काल 1033 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं हादसे के बाद कार चालक वाहन समेत फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और फरार चालक की तलाश की जा रही है।

सुजानगंज थाना अध्यक्ष का बदलापुर हुआ स्थानांतरण, बदलापुर कोतवाली की मिली कमान

सुजानगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सुजानगंज में कार्यरत थाना अध्यक्ष फूलचंद पांडेय का रविवार को स्थानांतरण बदलापुर कोतवाली में कोतवाल बदलापुर के रूप में हुआ है। स्थानांतरण होने पर थाना सुजानगंज

में आयोजित बिदाई समारोह में क्षेत्र के सम्भ्रांत व्यक्तियों का जमावड़ा लग गया, जिसके बाद उपस्थित लोग थाना अध्यक्ष के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उनका माल्यार्पण कर, अंगवस्त्र सहित तमाम वस्तु भेंट कर भावुक मन से बिदा किए। क्षेत्रवासियों के अनुसार थाना अध्यक्ष फूलचंद पांडेय का सुजानगंज में 8 महीने का लम्बा कार्यकाल बीता तथा उनके कार्यकाल में सुजानगंज में किसी भी प्रकार से ला इन आर्डर पर चुनौती नहीं आई, तथा कई ऐसे मामले का निस्तारण भी फूलचंद पांडेय द्वारा कराया गया था जो कि न्यायालय में कई वर्षों तक लंबित था जिसके बाद क्षेत्र में फूलचंद की लोकप्रियता अत्यंत ही बढ़ गई थी। अब सुजानगंज के नए थाना अध्यक्ष होंगे अमित कुमार पांडेय जो कि वर्तमान में एस. ओ. जी प्रभारी है। इस दौरान दिनेश कुमार मिश्रा, सुधीर त्रिपाठी, संजय सिंह, जय प्रकाश तिवारी तरुण चौबे संजय तिवारी सहित थाना सुजानगंज के तमाम पुलिस कर्मी भी उपस्थित रहे।

वैश्विक स्तर पर ताप वृद्धि चिंता का विषय: प्रो.प्रमोद यादव

रज्जू भैया संस्थान में पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण संरक्षण की गूंज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पृथ्वी दिवस के अवसर पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रज्जू भैया संस्थान में ह्णग्लोबल वार्मिंगः वन प्लेनेट, वन चांसह्ण विषय पर एक प्रभावशाली व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन भू एवं ग्रहीय विज्ञान विभाग एवं ह्यसस्टेनेबिलिटी कमेटीह्ण के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि पृथ्वी दिवस हमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का एहसास कराता है। उन्होंने बढ़ती वैश्विक तापवृद्धि, प्रदूषण एवं प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि समय रहते हम सचेत नहीं हुए तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर संकटों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से ऊर्जा संरक्षण, वृक्षारोपण तथा सतत जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।

भू एवं ग्रहीय विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज अवस्थी ने कहा कि ग्रीनहाउस प्रभाव एवं ग्लोबल वार्मिंग आज विश्व स्तर की गंभीर चुनौती बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि बढ़ते तापमान के कारण हिमनदों का तेजी से पिघलना, समुद्र स्तर में वृद्धि एवं मौसम चक्र में असामान्य बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने छात्रों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए ठोस एवं व्यावहारिक कदम उठाने हेतु प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान ग्लोबल वार्मिंग विषय पर एक जागरूकता वीडियो डॉक्यूमेंट्री भी प्रदर्शित की गई, जिसने उपस्थित छात्रों एवं शोधार्थियों को गहराई से प्रभावित किया। सभी प्रतिभागियों ने जल संरक्षण, प्लास्टिक उपयोग में कमी, हरित परिसर निर्माण एवं सामूहिक जागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया। अंत में विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने एवं पृथ्वी को सुरक्षित बनाने हेतु सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर डॉ. धीरेन्द्र चौधरी, डॉ. श्याम कन्हैया सहित संस्थान के अन्य शिक्षकगण, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सपा सरकार बनने पर महिलाओं को 40 हजार वार्षिक पेंशन व 300 यूनिट मुफ्त बिजली: अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर मोहम्मद अरशद खान ने बुधवार को लखनऊ स्थित पीडीए भवन, कटघरा में जारी बयान में बड़ा चुनावी ऐलान किया। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर प्रदेश की महिलाओं को 40,000 रुपये वार्षिक पेंशन दी जाएगी और जनता को 300 यूनिट तक बिजली मुफ्त प्रदान की जाएगी।

उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में सपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनने जा रही है और अखिलेश यादव पुनः मुख्यमंत्री बनेंगे। महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए यह योजना लागू की जाएगी।

मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए अरशद खान ने कहा कि

उत्तर प्रदेश में बिजली संकट गहराता जा रहा है। शहरों से लेकर गांवों तक कटौती की समस्या बनी हुई है, जिससे किसान, व्यापारी और आम नागरिक परेशान हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बढ़ती बिजली दरों ने गरीब और मध्यम वर्ग पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया है।

उन्होंने याद दिलाया कि अखिलेश यादव के कार्यकाल में समाजवादी महिला पेंशन योजना के तहत महिलाओं को 500 रुपये प्रतिमाह दिए जाते थे, जिससे बड़ी संख्या में महिलाओं को आर्थिक मदद मिली थी। अब उसी योजना को विस्तार देते हुए 40,000 रुपये वार्षिक पेंशन देने की बात कही गई है। अंत में उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता परिवर्तन चाहती है और समाजवादी पार्टी की नीतियों पर भरोसा जताते हुए आगामी चुनाव में उसे भारी बहुमत दिलाएगी।

स्मार्ट मीटर के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, बिजली विभाग का किया घेराव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जनपद में प्रीपेड स्मार्ट मीटर के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आक्रोश सड़कों पर देखने को मिला। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के जिलाध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पीडब्ल्यूडी चौराहे से हाइडिल तक पैदल मार्च निकालते हुए बिजली विभाग के खिलाफ जोरदार धरना-प्रदर्शन किया।

धरने को संबोधित करते हुए डा. प्रमोद कुमार सिंह ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि योगी आदित्यनाथ की सरकार जबरन स्मार्ट मीटर लगाकर जनता का आर्थिक शोषण कर रही है। उन्होंने कहा कि एक तरफ बिजली कटौती से लोग परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर प्रीपेड मीटर के कारण बढ़े हुए बिल से उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

उन्होंने सरकार पर तानाशाही रवैया अपनाने और जनता की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में लोगों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय नई समस्याएं खड़ी की जा रही हैं।

वहीं शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने सरकार से स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया तुरंत बंद करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को लेकर जनता में भारी आक्रोश है। साथ ही जांच समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करने और उपभोक्ताओं से वसूले गए अतिरिक्त बिल वापस करने की मांग भी उठाई।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अंत में राज्यपाल के नाम संबोधित पांच सूत्रीय मांगपत्र अधिशासी अभियंता को सौंपा। कार्यक्रम में पार्टी के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा ने किया।

श्रमिक आंदोलन के विरुद्ध दमनकारी रवैये के विरोध में समाजवादी मजदूर सभा ने दिया डीएम को ज्ञापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वेतनवृद्धि, 8 घंटे का कार्यदिवस, ओवरटाइम में दोगुना वेतन, साप्ताहिक अवकाश जैसे जायज और कानूनसम्मत मांगों के लिए नोएडा समेत उत्तर प्रदेश के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूर संघर्षरत हैं। श्रमिक आंदोलन के विरुद्ध उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अपनाए जा रहे दमनकारी रवैये और श्रमिकों की जायज मांगों को अनसुना किए जाने के विरोध में आज जिलाधिकारी, जौनपुर को समाजवादी मजदूर सभा द्वारा ज्ञापन दिया गया।

श्रम कानूनों की स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए और निम्नलिखित माँगें रखीं: ◆ नोएडा में शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे श्रमिकों पर की जा रही दंडात्मक और दमनकारी कार्रवाई को तुरंत रोका जाए।

◆ श्रमिक आंदोलन के दौरान गिरफ्तार किए गए सभी श्रमिकों और मजदूर नेताओं को तत्काल और बिना शर्त रिहा किया जाए। 'फ्लोर लेवल वेज' लागू कर न्यूनतम मजदूरी के वैधानिक अधिकार को कमजोर करने की साजिश बंद हो।

◆ 'फिक्स्ड टर्म रोजगार' जैसी नीतियों के जरिए श्रमिकों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद कर उन्हें स्थायी रोजगार की सुरक्षा दी जाए।

◆ प्रदेश में उद्योगों के भीतर कानून का राज स्थापित किया जाए ताकि श्रमिकों का शोषण रोका जा सके।

◆ समाजवादी मजदूर सभा के राष्ट्रीय महासचिव अमित यादव ने कहा कि सरकार की नीतियां पूंजीपतियों को लाभ पहुँचाने और मजदूरों को अधिकारहीन बनाने के लिए तैयार की जा रही हैं साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि नोएडा में श्रमिकों का उत्पीड़न बंद नहीं हुआ और गिरफ्तार साथियों को रिहा नहीं किया गया, तो जौनपुर से लेकर पूरे प्रदेश में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

◆ न्यूनतम मजदूरी मजदूरों का कानूनी अधिकार है, जिसे किसी भी कीमत पर कम नहीं होने दिया जाएगा।

ज्ञापन देने के लिए अजय यादव राष्ट्रीय सचिव समाजवादी मजदूर सभा,मनोज कुमार शर्मा जिलाअध्यक्ष समाजवादी मजदूर सभा, आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहें।

काशी कला कुंभ में शामिल होने पहुंचे सांसद-अभिनेता मनोज तिवारी, बाबतपुर एयरपोर्ट पर हुआ स्वागत

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में मनोज तिवारी वाराणसी पहुंचे, जहां वे राष्ट्रीय कला मंच बीएचयू द्वारा आयोजित काशी कला कुंभ के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उनके आगमन को लेकर पहले से ही कार्यक्रम आयोजकों और पार्टी कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। काशी कला कुंभ के उद्घाटन में निभाएंगे मुख्य भूमिका। काशी की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित काशी कला कुंभ के उद्घाटन समारोह में मनोज तिवारी की उपस्थिति को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस कार्यक्रम में कला, संस्कृति और परंपरा से जुड़े विभिन्न आयामों को प्रदर्शित किया जाएगा, जिसमें देशभर के कलाकारों की भागीदारी रहने की संभावना है। सांस्कृतिक आयोजन को मिलेगा नया आयामः काशी कला कुंभ जैसे आयोजनों के जरिए वाराणसी की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में मनोज तिवारी जैसे लोकप्रिय जनप्रतिनिधि और कलाकार की मौजूदगी इस आयोजन को और अधिक प्रभावशाली बनाएगी।

शहर में महासफाई अभियान, हाई अलर्ट पर नगर निगम

◆ प्रधानमंत्री के आगमन के मद्देनजर और सक्रिय हुआ निगम, काशी को चमकाने की तैयारी
◆ सेंट्रल कमांड से होगी मॉनिटरिंग, वार्डवार महापौर स्वयं करेंगे सफाई व्यवस्था का निरीक्षण
◆ एक्शन मोड में जलकल व प्रकाश विभाग, सड़कों पर नहीं दिखेगा सीवर का पानी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी 28 अप्रैल को होने वाले प्रस्तावित वाराणसी आगमन के मद्देनजर नगर निगम प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। शहर को वीआईपी मूवमेंट के अनुकूल स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए निगम ने हाई-अलर्ट जारी करते हुए सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था और जन-सुविधाओं की विशेष कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत आज से एक सप्ताह तक सभी वार्डों में महासफाई अभियान चलाया जाएगा, जिसकी निगरानी सीधे सेंट्रल कमांड के जरिए होगी।

इस बाबत सिगरा स्थित स्मार्ट सिटी सभागार में महापौर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में बुधवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई। बैठक में महापौर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर की स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वीआईपी आगमन के दौरान व्यवस्थाओं में कोई चूक नहीं होनी चाहिए।

सड़कों पर रहेंगे महापौर और आला अधिकारी: अगले एक सप्ताह तक प्रतिदिन सुबह 7.30 बजे से नौ बजे तक चलने वाले सप्ताहव्यापी महा-अभियान की निगरानी स्वयं महापौर करेंगे। महापौर प्रतिदिन एक वार्ड का दौरा करेंगे। इस दौरान क्षेत्रीय पार्षदों और विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी ताकि वार्ड स्तर पर सफाई व्यवस्था को जमीनी स्तर पर सुधारा जा सके।

लंबित फाइलों के निस्तारण को सात दिन का अल्टीमेटम: प्रशासनिक कार्यों में सुस्ती को दूर करते हुए महापौर ने जोनल अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) और जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र से संबंधित सभी लंबित आवेदनों को अगले सात दिनों के भीतर एक विशेष अभियान चलाकर शत-प्रतिशत निस्तारित किया जाए। किसी भी स्थिति में कोई भी आवेदन पेंडिंग नहीं रहना चाहिए। इसके अतिरिक्त, शहर भर के वॉटर एटीएम को सुचारू रूप से संचालित करने और सभी स्ट्रीट लाइटों की मरम्मत करने के भी कड़े निर्देश दिए गए हैं।

छुट्टा पशुओं पर नियंत्रण और सौंदर्यीकरण पर जोर: वीआईपी रूट और प्रमुख मार्गों को स्वच्छ रखने के लिए नगर स्वास्थ्य अधिकारी को प्रतिदिन वाटर स्प्रिंकलर से धुलाई कराने को कहा गया है। साथ ही, सड़कों पर कहीं भी सीवर ओवरफ्लो न हो, इसके लिए जलकल विभाग को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। शहर को सुंदर बनाने के लिए मूर्तियों की नियमित सफाई और प्रमुख चौराहों पर आकर्षक गमले लगाने की व्यवस्था की जा रही है। शहर में छुट्टा पशुओं की समस्या से निपटने के लिए विशेष टीम गठित कर मार्गों पर तैनाती के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल, अपर नगर आयुक्त सविता यादव, अमित कुमार, विनोद कुमार गुप्ता, मुख्य अभियंता आरके सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एसके चौधरी, जलकल विभाग के महाप्रबंधक अनूप सिंह सहित निगम व जलकल विभाग के समस्त अधिकारी उपस्थित रहे।

स्ट्रीट लाइट से लेकर सीवर तक पर विशेष नजर: स्वच्छता और सौंदर्यीकरणः प्रमुख मार्गों, डिवाइडरों और पेड़ों की वाटर स्प्रिंकलर से धुलाई होगी। कहीं भी कचरा कंटेनर भरे नहीं होने चाहिए। उद्यान विभाग को मूर्तियों की सफाई, माल्यार्पण और प्रमुख स्थानों पर आकर्षक गमले रखने के निर्देश दिए गए।

सीवर और पेयजल: महाप्रबंधक जलकल को सड़कों पर कहीं भी सीवर ओवरफ्लो न होने देने और सभी वाटर एटीएम को पूरी क्षमता के साथ संचालित करने के निर्देश दिए गए।

प्रकाश व्यवस्था: प्रभारी अधिकारी को निर्देशित किया गया कि सभी मार्गों पर स्ट्रीट लाइटें दुरुस्त रहें, यदि कहीं कोई कमी है तो तत्काल मरम्मत कराई जाए।

पशु प्रबंधन: शहर में छुट्टा पशुओं की समस्या से निपटने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित की गई है।

बस्ती में फिल्मी ट्विस्ट: दरोगा की बारात से पहले प्रेमी ने रचाई शादी

बस्ती, उत्तर प्रदेश (उत्तरशक्ति)। बस्ती जनपद में एक शादी उस समय चर्चा का विषय बन गई, जब दरोगा की होने वाली दुल्हन से उसके प्रेमी ने फिल्मी अंदाज में उसी मंडप में शादी रचा ली। जानकारी के अनुसार, जिस युवती की शादी एक दरोगा से तय हुई थी, उसका पिछले करीब 5 वर्षों से एक प्रॉपर्टी डीलर के साथ प्रेम संबंध चल रहा था। बावजूद इसके, परिवार वालों ने युवती की शादी दरोगा से तय कर दी और सभी तैयारियां पूरी कर ली गईं।

सोमवार को दरोगा बारात लेकर जाने की तैयारी में था, वहीं दुल्हन पक्ष की ओर से भी मैरिज हॉल पूरी तरह सज चुका था। इसी बीच युवती का प्रेमी दूल्हे के घर पहुंच गया और दरोगा के पिता को दोनों के रिश्ते की जानकारी दी। उसने बारात न ले जाने की चेतावनी भी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए दरोगा के परिवार ने आपसी सहमति से शादी तोड़ने का निर्णय लिया। इसके बाद प्रेमी ने युवती के परिजनों से बातचीत की और उन्हें शादी के लिए राजी कर लिया। अंततः उसी मंडप में प्रेमी और युवती ने सात फेरे लेकर विवाह कर लिया। यह घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है और लोग इसे किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं मान रहे हैं।

दिवंगत को श्रद्धांजलि देने पहुंचे पूर्व धनंजय सिंह व विधायक, एमएलसी

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत क्षेत्र के अकबरपुर निवासी संतोष सिंह के भतीजे, 40 वर्षीय आशुतोष सिंह की असामयिक मृत्यु से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। मंगलवार की देर शाम को उनके तेरहवीं संस्कार के अवसर पर संतोष सिंह के आवास पर भावभीनी शोक सभा का आयोजन किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोग दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। कार्यक्रम में पूर्व सांसद धनंजय सिंह, एमएलसी प्रिंशु सिंह, विधायक सुशील सिंह तथा एमएलसी जसवंत सिंह भी शामिल हुए। सभी जनप्रतिनिधियों ने दिवंगत आशुतोष सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। शोक सभा में उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे, जिन्होंने संतोष सिंह और उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट कीं।

मड़हे में लगी भीषण आग, बाइक समेत सामान जलकर खाक

अरशद अली

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के मछलीशहर तहसील क्षेत्र के जमालपुर गांव में बुधवार दोपहर करीब 3:30 बजे अचानक लगी आग से हड़कंप मच गया। आग की इस घटना में मड़हे में रखा एक बाइक सहित घरेलू सामान पूरी तरह जलकर राख हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जमालपुर निवासी मुनिराज बिंद पुत्र राम मूरत बिंद दोपहर के समय अपने मड़हे में सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात कारणों से अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गईं और मड़हे को अपनी चपेट में ले लिया। बताया जाता है कि आग लगते ही मुनिराज बिंद ने सूझबूझ दिखाते हुए टाटी तोड़कर किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। हालांकि इस दौरान उन्हें हल्की झुलसन भी आई है। तेज हवा के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया, जिससे मड़हे में रखा बाइक और अन्य घरेलू सामान पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्रशासनिक स्तर पर जांच की उम्मीद जताई जा रही है।

डायलिसिस पर निर्भर युवक ने कोतवाली पुलिस पर लगाया गंभीर आरोप, गुंडा एक्ट हटाने की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के खासनपुर मोहल्ला निवासी विशाल सेठ पुत्र सुरेश सेठ ने जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर कोतवाली पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

पीड़ित विशाल सेठ ने बताया कि वह पिछले तीन वर्षों से किडनी की गंभीर बीमारी से जूझ रहा है और जीवित रहने के लिए उसे हर सप्ताह डायलिसिस कराना पड़ता है। ऐसे में उसकी शारीरिक स्थिति पहले से ही बेहद कमजोर है। प्रार्थना पत्र के अनुसार, उसका अपने पड़ोसी सोहनलाल स्वर्णकार से पुराना विवाद चल रहा है। आरोप है कि विवाद के दौरान उसके पिता के साथ मारपीट की गई, जिसमें बीच-बचाव करने पहुंचे विशाल को भी मामले में शामिल कर लिया गया। विशाल का आरोप है कि कोतवाली पुलिस ने उसके खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की है, जो पूरी तरह अनुचित है। उसने कहा कि विपक्षी पक्ष प्रभावशाली है और उसी के दबाव में उसके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। पीड़ित ने यह भी बताया कि प्रभारी निरीक्षक द्वारा बीएनएसएस की धारा 129(जी) के तहत कार्रवाई की गई है। युवक ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर न्याय दिलाने और उसके खिलाफ दर्ज मुकदमे को निरस्त करने की मांग की है। मामले को लेकर अब प्रशासनिक कार्रवाई और जांच की प्रतीक्षा की जा रही है।

जल आपूर्ति के समय विद्युत कटौती बना चर्चा का विषय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गर्मी शुरू होते ही बहुत से क्षेत्रों में पानी की किल्लत शुरू हो चुकी है। लेकिन जल आपूर्ति के समय नगरीय क्षेत्र में हर रोज विद्युत की कटौती अपने आप में एक बड़ा सवाल पैदा कर रही है। लोगो का आरोप है कि जैसे ही आपूर्ति का समय होता है, तभी अचानक से हर रोज विद्युत कटौती कर दी जाती है।

जल आपूर्ति के निर्धारित शाम के समय अनुसार विद्युत कटौती से लोगो को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगो का कहना है कि हर साल गर्मी शुरू होते ही इस तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। लेकिन इस साल शुरू गर्मी से ही शाम के निर्धारित समय जैसे ही जल आपूर्ति शुरू होती है, तभी विद्युत बाधित कर दी जाती है, और तब तक विद्युत बहाल नहीं की जाती, जबतक जल आपूर्ति का समय समाप्त न हो जाएं। अब सवाल यह है कि विद्युत कटौती विभाग के प्री प्लान का ‘प्रयोग’ है, या महज संयोग ये तो विद्युत विभाग के आला अधिकारी ही बता सकते है। या हो सकता है, जल ही जीवन है। जल है तो कल है। जल बचाओ, कल बचाओ। जैसे स्लोगनों से प्रभावित होकर जल बचाने के लिए जल आपूर्ति के समय विद्युत विभाग द्वारा विद्युत कटौती कर दी जाती होगी।

भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित युवाशक्ति जागर मोर्चा के राज्यव्यापी दौरे का शुभारंभ

ठाणे/नवी मुंबई। भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित युवाशक्ति जागर मोर्चा के राज्यव्यापी दौरे का मुंबई से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रमुख उपस्थिति में जोरदार शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने कहा कि इस पहल के माध्यम से राज्य के युवाओं को राष्ट्रनिर्माण के उद्देश्य से जोड़ने और उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के लिए एक व्यापक अभियान की शुरूआत हुई है।

इस मौके पर भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कृष्णराज महाडिक ने कहा कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण मंच पर सबसे युवा सोच और ऊर्जावान नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। अपने संबोधन में प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने यात्रा के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा, भाजपा युवा मोर्चा महाराष्ट्र प्रदेश की ओर से आयोजित यह अपने प्रकार का पहला उपक्रम है।

केंद्र और राज्य सरकार द्वारा युवाओं की खातिर लिए गए लोककल्याणकारी निर्णय, इस यात्रा के माध्यम से राज्य के कोने-कोने तक पहुंचाए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप सक्षम और प्रभावी युवाशक्ति का संगठन खड़ा करना ही इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य है।

जागर युवाशक्ति का, सशक्त राष्ट्रनिर्माण का यह संदेश देने वाली यह यात्रा राज्य के युवाओं को एकजुट करते हुए उन्हें विकास, नवाचार और राष्ट्रहित के विचारों से जोड़ने का काम करेगी।

भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कृष्णराज महाडिक के नेतृत्व में यह यात्रा महाराष्ट्र के हर हिस्से तक पहुंचेगी और युवाओं में जागरूकता पैदा कर उन्हें सामाजिक और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का अहसास कराएगी, ऐसा विश्वास प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम में मंत्री जयकुमार गोरे, मंत्री अतुल सावे, मंत्री नितेश राणे, राज्यसभा सांसद धनंजय महाडिक, राज्यसभा सांसद अशोक चव्हाण, भाजपा प्रदेश महासचिव तथा भाजयुमो के प्रदेश प्रभारी सुनील राणे, भाजपा के मुख्य प्रवक्ता नवनाथ बन सहित अन्य मान्यवर, भाजयुमो के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे।

पत्रकारों की समस्या को लेकर सरकार गंभीर :सीएम योगी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में वाराणसी दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकारों के हितों को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कई महत्वपूर्ण संकेत दिए। काशी पत्रकार संघ के प्रतिनिधिमंडल से हुई मुलाकात में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि पत्रकारों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार आवास, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को उनके लिए सुलभ बनाने की दिशा में काम कर रही है। संघ के अध्यक्ष अरुण मिश्र के नेतृत्व में सर्किट हाउस पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने बीते 9 साल में बदलती काशी का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में काशी के विकास कार्यो की सराहना की। कहा कि बदलता बनारस‘ पूरे देश में अब विकास का मॉडल बन चुका है। संघ अध्यक्ष ने नई पीढ़ी के पत्रकारों के लिए आवास की कमी, वरिष्ठ पत्रकारों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं की जरूरत और पेंशन के मुद्दे सम्बंधित बात रखी । इस पर मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि गोरखपुर की तर्ज पर वाराणसी सहित अन्य जिलों में भी पत्रकार आवास योजनाएं लागू करने पर विचार किया जा रहा है। साथ ही, पत्रकारों को आयुष्मान योजना से भी जोड़ा जाएगा जिससे पत्रकारों को स्वास्थ्य सुविधाओं लाभ मिल सकेगा। इसको सुनिश्चित करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहा है और पत्रकार, जो दिन-रात समाज को जागरूक रखने का कार्य करते हैं, उन्हें भी इन योजनाओं से जोड़ा जाना प्राथमिकता में है।

मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की सभी बातों को गंभीरता पूर्वक सुनने के बाद संघ अध्यक्ष के हाथों पत्रक भी लिया और सभी पर विचार करने की बात कही। स्व रमेंद्र सिंह के परिजनों को मिले मुआवजा बातचीत के दौरान वरिष्ठ पत्रकार स्व. रमेंद्र सिंह के परिजनों को मुआवजा न मिलने की बात संज्ञान मे दिया , जिस पर मुख्यमंत्री ने मामले के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री को वार्षिकी भेट की

संघ अध्यक्ष की ओर से मुख्यमंत्री को वार्षिकी डायरी भेंट की गई। मुख्यमंत्री ने वार्षिकी के मुख्यपृष्ठ के साथ अन्य पन्नों को भी देखा। पत्रकारिता के पुरोधा विष्णु राव पराड़कर की कर्मस्थली ‘पराड़कर स्मृति भवन आने के निमंत्रण को स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ने जल्द ही वहां आने का वादा किया।

ट्रक, कार, बोलेरो और ट्रेलर की जोरदार टक्कर में बोलेरो सवार 9 की जिंदा जलने से दर्दनाक मौत

मिजार्पुर (उत्तरशक्ति)। रीवा-मिजार्पुर हाईवे पर स्थित ड्रमंडगंज घाटी में बुधवार की रात आठ बजे ट्रक, कार, बोलेरो और ट्रेलर आपस में टकरा गए। इसके बाद बोलेरो में आग लग गई। ट्रक चालक तो निकल गया पर बोलेरो सवार उसमें फंस गए। बोलेरो पूरी तरह से आग की चपेट में आ गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दिया। फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने में जुट गई। बोलेरो में आग लगने से नौ लोगों के जलकर मरने की आशंका जताई जा रही है।

सूचना पर मौके पर सीओ अन्य अधिकारी पहुंचे हैं ।ड्रमंडगंज घाटी में रात को आठ बजे गिट्टी लगा ट्रेलर उतर रहा था। उसके पीछे स्विफ्ट कार सवार आ रहे थे। कार के पीछे दाल लगा ट्रक आ रहा था। दाल लदे ट्रक के पीछे बोलेरो सवार चल रहे थे। दाल लगे ट्रक का ब्रेक फेल हो गया। उसने आगे स्विफ्ट कार में टक्कर मारी। स्विफ्ट कार आगे ट्रेलर में टकरा गई। टक्कर में पीछे से आ रही बोलेरो ट्रक में टकराई।

आपस में गाड़ियों के टकराने के चलते बोलेरो में आग लग गई। ट्रक चालक घायल हुआ है। वह बाहर निकल गया पर आग लगने से बोलेरो सवार सभी लोग गाड़ी में फंस गए।बोलेरो पूरी तरह से आग की चपेट में आ गई।

स्थानीय लोगों ने ड्रमंडगंज पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर मौके पर ड्रमंडगंज, हालिया व अन्य थाने की फोर्स फायर ब्रिगेड टीम के साथ मौके पर पहुंची। सीओ लालगंज अमर बहादुर भी मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग बुझाने में जुट गई। फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां बोलेरो की आग को बुझाने में लगी रहीं। घंटों मशक्कत की बात बोलेरो की आग पर काबू पाया गया।

आशंका जताई जा रही है कि बोलेरो सवा नौ लोगों की मौत हुई है। पुलिस शवों को बोलेरो से निकालकर शिनाख्त में जुटी है। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक ने बताया कि घाटी में ट्रक उतार रहा था। उसके पीछे कार थी। कार के पीछे एक ट्रेलर था। उसके पीछे बोलेरो थी। आपस में सभी गाड़ियां टकरा गईं। बोलेरो में आग लग गई। आग लगने के बाद फायर ब्रिगेड की टीम बुझाने के लिए लगी है। बोलेरो सवार लोग जले हैं। राहत बचाव कार्य चल रहा है।

इंदौर में लोकायुक्त की हुई बड़ी कार्रवाई: गिरफ्तार आरोपियों में कार्यपालक यंत्री और एसडिओ शामिल

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। पीडब्ल्यूडी में 4.73 करोड़ रुपए के सड़क निर्माण के अंतिम बिल पास कराने के बदले 2.5 लाख रुपए की रिश्वत लेते दो अधिकारियों को लोकायुक्त ने रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। तीसरा आरोपी कार्रवाई से बच निकला। कार्रवाई धार के ठेकेदार राजपाल सिंह पंवार की शिकायत पर की गई। ठेकेदार की फर्म ने 2023 में मैथवाड़ा-फोरलेन सड़क का काम पूरा किया था। आरोप है कि बिल पास करने के लिए कार्यपालन यंत्री जयदेव गौतम ने 1.50 लाख रुपए, जबकि एसडीओ टीके जैन और उपयंत्री अंशु दुबे ने एक-एक लाख रुपए की मांग की थी। जांच में शिकायत सही मिलने पर लोकायुक्त ने ट्रैप बिछाया।

टीके जैन — जयदेव गौतम — अंशु दुबे

गौतम को उसके घर से 1.50 लाख रुपए लेते पकड़ा गया, जबकि जैन को ऑफिस परिसर में एक लाख रुपए लेते गिरफ्तार किया गया। दोनों के पास से कुल 2.5 लाख रुपए बरामद हुए। तीसरे आरोपी अंशु दुबे को तय रकम कम होने के कारण मौके पर पैसे नहीं दिए गए, जिससे वह पकड़ में नहीं आ सका।

4 महीने में कुल 15 घूसखोर पकड़े इस साल के शुरूआती चार महीनों में ही लोकायुक्त ने 15 घूसखोरों को रंगेहाथ रिश्वत लेते पकड़ा है। सबसे ज्यादा तीन-तीन ट्रैप खरगोन, झाबुआ में किए गए हैं। इंदौर जिले में भी तीन ट्रैप किए जा चुके।

मंडलीय शिक्षा निदेशक के निर्देशन में जौनपुर में बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा, नामांकन व गुणवत्ता सुधार पर विशेष जोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मंडलीय शिक्षा निदेशक (बेसिक) वाराणसी मंडल के निर्देशन में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, जौनपुर के सभागार में बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक) श्री हेमंत राव ने की। बैठक में विभागीय योजनाओं की गहन समीक्षा करते हुए श्री राव ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि स्कूल चलो अभियान के तहत शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जाए तथा ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान कर उन्हें पुनः विद्यालय से जोड़ा जाए। निपुण भारत अभियान के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए शिक्षण गुणवत्ता में सुधार, आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। उन्होंने विद्यालयों में छात्रों की नियमित उपस्थिति बढ़ाने, स्मार्ट क्लास एवं आईसीटी लैब का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने तथा मध्याह्न भोजन (एमडीएम) की गुणवत्ता पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। साथ ही डीबीटी योजनाओं के

पारदर्शी क्रियान्वयन और कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों के नियमित एवं सघन निरीक्षण पर भी विशेष बल दिया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने आश्वस्त कराया कि सभी निदेशों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा तथा जनपद में शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। बैठक में जनपद के समस्त जिला समन्वयक, खंड शिक्षा अधिकारी, एसआरजी, पटल सहायक एवं प्रथम संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मूल्यों और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़कर ही लोकतंत्र होगा समावेशी : प्रो . वंदना सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का भव्य शुभारंभ बुधवार को राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय, सिंगरामऊ में हुआ। राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इस सेमिनार का विषय ‘भारत में लोकतांत्रिक समावेशिता के 75 वर्ष रहा।

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि लोकतांत्रिक समावेशिता के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए समाज को अपने मूल्यों और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र का सर्वांगीण विकास तभी संभव है जब नई पीढ़ी नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक वातावरण को आत्मसात करे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार सिंह ने की।सेमिनार के मुख्य वक्ता आर्य कन्या पीजी महाविद्यालय, वाराणसी के प्रो. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने अर्थशास्त्री एडम स्मिथ की प्रसिद्ध पुस्तक ‘वेल्थ ऑफ नेशन्स का संदर्भ देते हुए वर्तमान वैश्विक आर्थिक असमानता पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि विश्व की लगभग 90 प्रतिशत संपत्ति केवल एक प्रतिशत लोगों के पास केंद्रित है, जो समावेशी लोकतंत्र के लिए चुनौती है।विशिष्ट अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. आर.के. मिश्र ने कहा कि लोकतांत्रिक समावेशिता तभी सार्थक होगी जब स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के अवसर समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेंगे।

आयोजन सचिव प्रो. जय कुमार मिश्र ने विषय प्रवर्तन करते हुए कहा कि समावेशिता ही लोकतंत्र की वास्तविक पहचान है। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य डॉ. राजेश कुमार सिंह ने किया।

इस अवसर पर प्रो. इंदु प्रकाश, डॉ. योगेश कुमार, डॉ. जे.पी. सिंह, डॉ. बृजेश प्रताप सिंह, डॉ. मनोज कुमार सिंह, डॉ. गिरीश मणि त्रिपाठी, डॉ. राजीव त्रिपाठी सहित अनेक प्राध्यापकों ने अतिथियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में प्रो. चंद्रलेखा, प्राचार्यगण प्रो. सुरेश कुमार पाठक, प्रो. सुधाकर सिंह, प्रो. शम्भू राम, प्रो. अखिलेश्वर शुक्ला, प्रो. पंकज सिंह, डॉ.दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. संजय सिंह, डॉ. अजय कुमार दुबे सहित बड़ी संख्या में शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से महिला पुलिसकर्मी घायल, जिला अस्पताल में भर्ती

प्रियेश गुप्ता रुद्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के गुरैनी पेट्रोल पंप के पास बुधवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक महिला पुलिसकर्मी घायल हो गईं। हादसा उस समय हुआ जब वह पुलिस लाइन से मीटिंग के बाद बाइक से ड्यूटी के लिए थाने जा रही थीं। जानकारी के अनुसार सुमन सिंह (पत्नी त्रिलोकीनाथ सिंह), निवासी वाराणसी, पुलिस लाइन में आयोजित मीटिंग समाप्त होने के बाद शाम करीब 6 बजे खेतासराय थाने के लिए निकली थीं। जैसे ही उनकी बाइक गुरैनी पेट्रोल पंप के पास पहुंची, तभी एक अज्ञात चार पहिया वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद महिला पुलिसकर्मी सड़क पर गिरकर घायल हो गईं, जबकि वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला पुलिसकर्मी को तत्काल एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। घटना के बाद खेतासराय पुलिस फरार वाहन चालक की तलाश में जुट गई है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से जांच की जा रही है।

इंदौर के द्वारिकापुरी में पति पत्नी विवाद में पति ने खाया जहर मौत

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। पत्नी के विवाद में इंदौर के द्वारकापुरी क्षेत्र में पति-पत्नी के बीच नए कमरे की पसंद को लेकर हुआ विवाद एक दर्दनाक घटना में बदल गया। बहस इतनी बढ़ गई कि पति ने जहरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर हालत में उसे एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।इंदौर के द्वारकापुरी क्षेत्र में पति-पत्नी के बीच नए कमरे की पसंद को लेकर हुआ विवाद एक दर्दनाक घटना में बदल गया। बहस इतनी बढ़ गई कि पति ने जहरीला पदार्थ खा लिया। गंभीर हालत में उसे एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।द्वारकापुरी पुलिस के मुताबिक, प्रजापति नगर निवासी 35 वर्षीय नितेश पुत्र त्रिमत राव ने मंगलवार को जहर खा लिया। घटना के बाद पत्नी नंदनी और रिश्तेदार अंकित उसे तुरंत एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों की कोशिशों के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका।

जांच में सामने आया है कि नितेश पीथमपुर की एक निजी कंपनी में मशीन ऑपरेटर के रूप में काम करता था। पहले कंपनी की यूनिट द्वारकापुरी इलाके में थी, जिसे बाद में पीथमपुर शिफ्ट कर दिया गया। इसके चलते मकान बदलने की बात चल रही थी। बताया गया है कि नितेश ने एक कमरा पसंद किया था, जबकि उसकी पत्नी नंदनी किसी दूसरी जगह का कमरा देखकर आई थी। इसी बात को लेकर मंगलवार को दोनों के बीच विवाद हुआ और मामला इतना बढ़ गया कि नितेश ने आत्मघाती कदम उठा लिया। यह जानकारी दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के चीफ ब्यूरो प्रणित नरेंद्र तिवारी ने दी है।

गांव में रोजगार का सुनहरा मौका : 10 लाख तक का लोन, मात्र 4 प्रतिशत ब्याज पर मिलेगा सहारा

मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना से ग्रामीण उद्यमियों को बढ़ावा, 15 मई तक करें आवेदन

वाराणसी। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना अब युवाओं और उद्यमियों के लिए बड़ा अवसर बनकर सामने आई है। योजना के तहत इच्छुक लाभार्थियों को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए अधिकतम 10 लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिसमें सरकार की ओर से ब्याज में भी विशेष राहत दी जा रही है।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी यूपी सिंह ने बताया कि खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में

बढ़ती बेरोजगारी को कम करना, युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना तथा शहरों की ओर पलायन को रोकना है। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया कि आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई 2026 निर्धारित की गई है। सभी इच्छुक अभ्यर्थी समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, वाराणसी से संपर्क कर सकते हैं या मोबाइल नंबर 9580503155 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। सरकार की यह पहल ग्रामीण युवाओं के लिए आत्मनिर्भर बनने का मजबूत आधार साबित हो रही है। कम ब्याज और आसान ऋण सुविधा के साथ यह योजना गांवों में रोजगार की नई इबारत लिखने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

ब्याज में राहत, सरकार दे रही सहयोग

योजना के अंतर्गत सामान्य वर्ग के पुरुष लाभार्थियों को पूंजीगत ऋण पर मात्र 4 प्रतिशत ब्याज देना होगा, जबकि शेष ब्याज की राशि सरकार द्वारा अनुदान (सब्सिडी) के रूप में वहन की जाएगी। वहीं अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिलाएं, दिव्यांग और भूतपूर्व सैनिकों को ब्याज में और अधिक छूट प्रदान की जाएगी।

ग्रामीण युवाओं को गांव में ही रोजगार का अवसर

इस योजना के जरिए सरकार का फोकस गांवों में ही रोजगार उपलब्ध कराना है, ताकि युवाओं को रोजगार के लिए शहरों की ओर पलायन न करना पड़े। योजना के तहत छोटे उद्योग, कुटीर उद्योग, सेवा आधारित व्यवसाय और अन्य स्वरोजगार गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जनपद वाराणसी में योजना के तहत 11 इकाइयों को स्थापित करने और करीब 55 लाख रुपये का ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है। इसके माध्यम से 220 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने की योजना है। ग्रामीण क्षेत्र का निवासी होना अनिवार्य. आयु सीमा : 18 से 50 वर्ष. स्वरोजगार स्थापित करने की इच्छा रखने वाले पात्र होंगे. ऑनलाइन आवेदन की सुविधा. इच्छुक अभ्यर्थी योजना के तहत आवेदन करने के लिए विभागीय वेबसाइट www.mmgrykhadi.upsdc.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ये दस्तावेज होंगे जरूरी : आवेदन के लिए अभ्यर्थियों को आधार कार्ड, पैन कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, राशन कार्ड, बैंक पासबुक सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे।

फाइंडेबिलिटी साइंसेज बोस्टन में इनोविजन 26 की मेजबानी करेगा

भारत। फाइंडेबिलिटी साइंसेज ने आज अपने प्रमुख एंटरप्राइज एआई समिट और ग्लोबल एआई अवॉर्ड्स, इनोविजन 26, की घोषणा की, जो 30 अप्रैल, 2026 को बोस्टन, मैसाचुसेट्स में आयोजित होगा। यह इस आयोजन का अमेरिका में पहला संस्करण होगा। केवल आमंत्रण-आधारित यह विशेष आयोजन उत्तर अमेरिका, यूरोप और एशिया के वरिष्ठ एंटरप्राइज नेताओं को एक दिन के सुविचारित नेतृत्व संवाद, एप्लाइड एआई रणनीतियों और सहकर्मी सम्मान के लिए एक साथ लाएगा, जिसका केंद्र एक महत्वपूर्ण प्रश्न होगा: जटिल, वास्तविक दुनिया के एंटरप्राइज के भीतर एआई को वास्तव में कामयाब कैसे बनाया जाए?

आज अधिकांश एंटरप्राइज नेताओं को यह समझाने की आवश्यकता नहीं रह गई है कि एआई महत्वपूर्ण है। बहस अब आगे बढ़ चुकी है। अब चुनौती है क्रियान्वयन की: एआई को बड़े पैमाने पर कैसे लागू किया जाए, विभिन्न कार्यों में इसे कैसे औद्योगिक रूप दिया जाए, और प्रभावशाली पायलट प्रोग्राम्स से आगे बढ़ाकर इसे मापनीय व्यावसायिक परिणामों में कैसे बदला जाए, जो कभी वास्तविक उत्पादन तक पहुँच ही नहीं पाते।

यही वह खाई है जिसे इनोविजन 26 पाटने के लिए बनाया गया है। यह जागरूकता की खाई नहीं है। यह तकनीक की खाई भी नहीं है। यह है क्रियान्वयन की खाई – वही स्थान जहाँ अधिकांश एंटरप्राइज एआई निवेश ठहर जाते हैं, और जहाँ आज यह तय हो रहा है कि कौन नेता बनेगा और कौन पीछे रह जाएगा। फाइंडेबिलिटी साइंसेज के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी आनंद महूरकर ने कहा कि व्यवसाय सामान्य परिवर्तन का सामना नहीं कर रहे हैं। वे ऐसे व्यवधान से जूझ रहे हैं जो संरचनात्मक है, सतत है, और कठोर है। असली विभाजन अब उन लोगों के बीच नहीं है जो जानते हैं कि एआई महत्वपूर्ण है और जो नहीं जानते। असली अंतर उन लोगों के बीच है जो एआई के बारे में सिर्फ बात करते हैं और जो उसे अपने सोचने, निर्णय लेने, संचालन करने और नेतृत्व करने के तरीके का हिस्सा बना चुके हैं। इनोविजन 26 उन लोगों के लिए बनाया गया है जो इस तात्कालिकता को समझते हैं और इसके बारे में कुछ ठोस करना चाहते हैं।

बंगाल चुनाव में इस बार गूंजेगी मुंबई की आवाज: रीता सिंह

मुंबई। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक माहौल लगातार गरमाता जा रहा है। इसी बीच मुंबई की वरिष्ठ नेता रीता सिंह के बंगाल आगमन ने चुनावी रण को और दिलचस्प बना दिया है। उनके दौरे से न सिर्फ पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश बढ़ा है, बल्कि राजनीतिक समीकरणों में भी हलचल तेज हो गई है।

रीता सिंह, जो अपनी तेजतर्रार शैली और जमीनी पकड़ के लिए जानी जाती हैं, ने बंगाल पहुंचकर साफ संदेश दिया कि राज्य को अब विकास और सुरक्षा की राजनीति की जरूरत है। उन्होंने कहा बंगाल की पावन मिट्टी ने हमेशा देश को दिशा दिखाई है। आज इस ऐतिहासिक राज्य को खोखली राजनीति नहीं, बल्कि ठोस विकास चाहिए। मैं यहाँ केवल समर्थन मांगने नहीं, बल्कि एक नए बंगाल के निर्माण का संकल्प लेकर आई हूँ। अपने संबोधन में उन्होंने राज्य की मौजूदा स्थिति, कानून-व्यवस्था और विकास के मुद्दों को उठाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पक्ष में समर्थन मांगा। उनका दावा था कि अगर भाजपा को मौका मिला, तो बंगाल में सुरक्षित और समृद्ध शासन स्थापित किया जाएगा। रीता सिंह के इस दौरे को भाजपा की रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है, खासकर शहरी और हिंदीभाषी मतदाताओं को साधने के लिहाज से। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बाहरी राज्यों के नेताओं की सक्रियता इस बार चुनाव को और बहुआयामी बना रही है। अब देखना दिलचस्प होगा कि रीता सिंह की मौजूदगी और उनके संदेश का बंगाल के मतदाताओं पर कितना असर पड़ता है, और क्या यह चुनावी नतीजों में कोई बड़ा बदलाव ला पाता है।

वसई विरार में दो आधुनिक पार्क 5 करोड़ की फंड से बनाए जाएंगे : सांवरा

वसई-विरार। वसई-विरार में दो आधुनिक पार्कों के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सवारा के लगातार प्रयासों के चलते नगर निगम क्षेत्र में इन परियोजनाओं के लिए कुल 5 करोड़ रुपये का फंड स्वीकृत किया गया है। यह जानकारी विपक्ष के नेता मनोज पाटिल ने दी।

नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजन नाइक के अनुरोध पर डॉ. सवारा ने 14 फरवरी 2025 को जिला नियोजन समिति के समक्ष शहर के समग्र विकास और नागरिकों के मनोरंजन हेतु विशेष प्रस्ताव रखा था। इस पर विचार करते हुए समिति ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के जिला वार्षिक योजना (नॉन-दलित बस्ती सुधार योजना) के अंतर्गत इन कार्यों को प्रशासनिक मंजूरी प्रदान की। मनोज पाटिल के अनुसार, इस निर्णय से विरार और नालासोपारा क्षेत्र के नागरिकों को विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त पार्क मिलने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। वार्ड

समिति 'A' के अंतर्गत बोलिंज स्थित साइंस गार्डन में विभिन्न वैज्ञानिक उपकरणों की स्थापना और अन्य विकास कार्यों पर 2.5 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस गार्डन के माध्यम से विद्यार्थी और बच्चे खेल-खेल में विज्ञान के सिद्धांतों और प्रयोगों को समझ सकेंगे।

दूसरी ओर, वार्ड समिति 'I' में प्रस्तावित नरवीर चिमाजी अप्पा पार्क को तकनीकी कारणों से वार्ड समिति 'E' के अंतर्गत नालासोपारा-विरार क्षेत्र के आरक्षित प्लॉट नंबर 388 पर स्थानांतरित किया गया है। चिमाजी अप्पा पार्क की मूल भूमि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकार क्षेत्र में होने के कारण वहां अनुमति नहीं मिल सकी। ऐसे में परियोजना को नगर निगम के स्वामित्व वाली भूमि पर स्थानांतरित करने की पहल की गई।

वार्ड समिति 'E' के तहत बनने वाले नए पार्क के लिए भी 2.5 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। यहां ओपन जिम, एडवेंचर थीम आधारित उपकरण, बच्चों के खेल क्षेत्र और अन्य आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

इस प्रस्ताव को अंतिम स्वीकृति के लिए 23 अप्रैल 2026 को होने वाली नगर निगम की आम सभा में प्रस्तुत किया जाएगा। इस फंड के माध्यम से शहर की सौंदर्यता में वृद्धि होने के साथ-साथ नागरिकों, विशेषकर बच्चों और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस पहल से स्थानीय निवासियों में उत्साह का माहौल है।

महाराष्ट्र में शिक्षकों पर काम का बोझ बढ़ने से आक्रोश

मुंबई। ज्ञान का दीपक जलाने वाला शिक्षक समाज में इस समय आक्रोश व्याप्त है। ज्ञात हो कि महाराष्ट्र में हजारों शिक्षक इस समय भारी दबाव में हैं, क्योंकि उन्हें एक साथ मतदाता सूची सत्यापन, जनगणना कार्य और नए पाठ्यक्रम के प्रशिक्षण जैसी तीन बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इन कार्यों का बोझ बढ़ने से शिक्षकों के सामने गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार 17 अप्रैल को जिला कलेक्टरों द्वारा जारी आदेश के अनुसार, शिक्षकों को 3 मई से 18 मई तक जनगणना प्रशिक्षण में भाग लेना होगा। उसके बाद 31 मई तक फील्ड सर्वे करना होगा। यह कार्य जनगणना 2027 के तहत किया जा रहा है।

इसी दौरान, हजारों शिक्षकों को बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) के रूप में मतदाता सूची सत्यापन का कार्य भी सौंपा गया है। जिसमें घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करनी होती है। महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग के निदेर्शानुसार, इस ड्यूटी में अनुपस्थित रहने पर शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई भी हो सकती है।

वहीं दूसरी ओर State Council of Educational Research and Training (SCERT) ने कक्षा 2 से 4 तक के शिक्षकों के लिए 11 मई से 30 मई के बीच नए पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण भी निर्धारित किया है। शिक्षकों का कहना है कि तीनों कार्य एक ही समय पर होने के कारण उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मुंबई कांग्रेस रोजगार स्वय रोजगार विभाग के महासचिव डॉ सत्तार खान ने कहा कि कोई भी सरकारी कार्य चाहे इलेक्शन ड्यूटी हो या जनगणना या फिर अन्य कोई कार्य सभी में शिक्षकों की ड्यूटी लगा दी जाती है। शिक्षक पूरी मेहनत और लगन के साथ सभी जिम्मेदारी निभाते हैं। गर्मी की छुट्टी में शिक्षकों के गांव में शादी ब्याह और अन्य कार्यक्रम निर्धारित रहता है। ऐसे में एक ही समय में जनगणना, मतदाता ड्यूटी और प्रशिक्षण का कार्य सौंप दिया गया है। जिसे पूरा करना बेहद कठिन हो रहा है। डॉक्टर सत्तार खान ने रउएफळ प्रशिक्षण को स्थगित करने की मांग की है। वहीं जिला प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि जनगणना कार्य में लापरवाही पर प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। शिक्षकों ने बताया कि गर्मी की छुट्टियां ही उन्हें साल में एकमात्र लंबा अवकाश मिलता है, लेकिन इस दौरान भी स्कूल एडमिशन और नए सत्र की तैयारी जैसी जिम्मेदारियां रहती हैं। इस बार तीन बड़े कार्य एक साथ आने से उनका कार्यभार और बढ़ गया है।

कम रोशनी में भी प्रो ग्रेड फोटोग्राफी के साथ मोटोरोला एज 70 प्रो लॉन्च

गयाजी। मोटोरोला ने अपना नया स्मार्टफोन मोटोरोला एज 70 प्रो लॉन्च किया है, जो उन्नत कैमरा, दमदार परफॉर्मेंस और प्रीमियम डिजाइन के साथ आता है। इसमें 50एमपी सोनी लिटिया 710 सेंसर के साथ ट्रिपल 50एमपी प्रो-ग्रेड कैमरा सिस्टम दिया गया है, जो कम रोशनी में भी बेहतरीन फोटोग्राफी सुनिश्चित करता है। यह स्मार्टफोन मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8500 एक्सट्रीम प्रोसेसर से लैस है, जो एआई आधारित एडवांस्ड इमेजिंग और स्मूद परफॉर्मेंस प्रदान करता है। इसमें 12जीबी तक रैम और 256 जीबी स्टोरेज के साथ वेपर चैंबर कूलिंग सिस्टम दिया गया है।फोन में 6.8 इंच का 144 एचजेड 1.5के क्वाड-कर्व्ड अमोलेड डिस्प्ले, 5200 निट्स पीक ब्राइटनेस और कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास 7आई प्रोटेक्शन मिलता है। इसके अलावा, 6500 एमएच बैटरी और 90वाट टर्बोपॉवर फास्ट चार्जिंग सपोर्ट दिया गया है, जो तेज चार्जिंग और लंबा बैकअप सुनिश्चित करता है।

परशुराम जयंती के अवसर पर भव्य उत्सव का आयोजन

जौनपुर। जौनपुर के बदलापुर क्षेत्र में परशुराम जयंती के अवसर पर भव्य उत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान भगवान भगवान परशुराम के जन्मोत्सव को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। उत्सव के तहत एक आकर्षक शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोगों के साथ-साथ अन्य समुदायों के लोग भी शामिल हुए। पूरा क्षेत्र भक्ति और उत्सव के माहौल में सराबोर नजर आया। इस आयोजन में कई स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही, जिनमें राहुल मिश्रा (भावी जिला पंचायत सदस्य, वार्ड नं. 1), गोपाल दूबे (सिंगरामऊ), आकाश निशु (पिंकू), आकाश दूबे व सचिन सभाजीत दुबे (मिश्रौली), मोहित शुक्ला (अन्दीपुर), परिवेश गिरि (अजुनपुर), शनि तिवारी (डहुडा), धनंजय (एकहला/लच्छीपट्टी), शैलेश मिश्र (करमपुर) और सूरज मिश्र (डहुडा) प्रमुख रूप से शामिल रहे। सभी ने विभिन्न हिंदू संगठनों के साथ मिलकर इस पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया और समाज में एकता एवं सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का संदेश दिया।

नारी शक्ति के स्वाभिमान के लिए आक्रोश मोर्चा सफल

मुंबई। नारी शक्ति के स्वाभिमान के समर्थन में आयोजित जन-आक्रोश महिला सम्मेलन को व्यापक जनसमर्थन मिला और यह कार्यक्रम बेहद सफल रहा। महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा के लिए आयोजित इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में देवेंद्र फडणवीस सहित कई प्रमुख जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इनमें महिला मंत्री, विधायक, सांसद, नगरसेवक, महापौर, उपमहापौर और जिला परिषद अध्यक्ष के साथ-साथ विभिन्न संगठनों की महिला पदाधिकारी भी बड़ी संख्या में शामिल हुईं। सम्मेलन के दौरान महिलाओं के खिलाफ हो रहे अन्याय और अत्याचार के मुद्दों पर जोरदार आवाज उठाई गई। वक्ताओं ने स्पष्ट संदेश दिया कि नारी सम्मान के खिलाफ किसी भी प्रकार का अन्याय अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसके खिलाफ आंदोलन और अधिक मजबूत किया जाएगा। यह कार्यक्रम नारी शक्ति की एकजुटता और जागरूकता का प्रतीक बनकर उभरा, जिसने आने वाले समय में महिलाओं के अधिकारों की लड़ाई को और मजबूती देने का संकेत दिया।

मोट्रोला ने एज 70 प्रो लॉन्च किया झ्र कीमत सिर्फ 36,999 से शुरू होती है

मुंबई। बेहतरीन कैमरा सिस्टम: motorolO edge 70 pro स्मार्टफोन फोटोग्राफी में एक नया बेंचमार्क सेट करता है। इसमें ट्रिपल 50MP प्रो-ग्रेड कैमरा सिस्टम दिया गया है, जिसका नेतृत्व ओआईएस के साथ 50MP सोनी LYTIA™ 710 सेंसर औरX motoAI करते हैं, जो रात की बेहतरीन फोटोग्राफी सुनिश्चित करते हैं। इसमें 50MP अल्ट्रावाइड + मैक्रो और ऑटो-फोकस वाला 50MP क्वाड पिक्सेल सेल्फी कैमरा है। साथ ही, यह पैंटोनट्ठ वैलिडेटेड कलर्स, स्किनटोनट्ठ सटीकता और सभी कैमरों से किसी भी रोशनी में 4K 60FPS वीडियो रिकॉर्डिंग को सपोर्ट करता है।

दमदार परफॉरमेंसः मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8500 एक्सट्रीम द्वारा संचालित, यह फोन ऑन-डिवाइस एआई और बेहतर लो-लाइट इमेजिंग के साथ फ्लैगशिप-ग्रेड परफॉरमेंस देता है। इसमें 12GB तक LPDDR5X RAM और 256GB UFS 4.1 स्टोरेज के साथ एक उन्नत वेपर चैंबर कूलिंग सिस्टम है, जो अल्ट्रा-फास्ट मल्टीटास्किंग और स्मूथ गेमिंग अनुभव सुनिश्चित करता है। प्रीमियम डिजाइनः motorola edge 70 pro में 'कलेक्शंस बाय मोटोरोला' को पेश किया गया है, जिसमें सैटिन-लक्स, टेलर्ड फैब्रिक और मार्बल फिनिश के साथ एक नया प्रीमियम डिजाइन दिया गया है। ये पैंटोनट्ठ द्वारा क्यूरेट किए गए रंगों के साथ एक बोल्ड स्टाइल स्टेटमेंट पेश करते हैं। शानदार डिस्प्लेः इसमें 144Hz 1.5K ट्रू कलर क्वाड-कर्व्ड डिस्प्ले है। 6.8 इंच का यह सुपर HD (1.5K) एमोलेड पैनल पैंटोनट्ठ वैलिडेटेड है और इसमें 5200 निट्स की पीक ब्राइटनेस और HDR10+ का सपोर्ट मिलता है। मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8500 एक्सट्रीम द्वारा संचालित, यह उन्नत ऑन-डिवाइस एआई प्रोसेसिंग के साथ लो-लाइट इमेजिंग को और बेहतर बनाता है।

नारी शक्ति आरक्षण पर सियासी संग्राम : सहमति बनी, लेकिन विपक्ष ने रोका: मेघवाल

वाराणसी। महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर केंद्र सरकार और विपक्ष के बीच टकराव तेज हो गया है। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने प्रेस वार्ता में साफ कहा कि सरकार इस ऐतिहासिक कानून को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन संवैधानिक प्रावधानों और परिसीमन की प्रक्रिया के कारण इसमें समय लगना स्वाभाविक है। उन्होंने विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे केवल राजनीतिक लाभ और श्रेय की राजनीति के चलते इस मुद्दे पर बाधा उत्पन्न कर रहे हैं।

संविधान की बाध्यता को समझना होगा

मेघवाल ने कहा कि 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने के लिए पहले जनगणना और उसके बाद परिसीमन अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 1976 से 2026 तक लोकसभा सीटों का परिसीमन फ्रीज है, जिसे बदले बिना आरक्षण लागू करना संभव नहीं। उन्होंने कहा, संविधान के अनुच्छेदों में स्पष्ट प्रावधान हैं। परिसीमन आयोग के बिना सीटों का पुनर्निर्धारण नहीं हो सकता, इसलिए अधिनियम को लागू करने की एक प्रक्रिया तय है।

सरकार का फॉर्मूला : 33% आरक्षण का गणित

कानून मंत्री ने बताया कि सरकार ने सभी दलों से चर्चा के बाद एक फॉर्मूला तैयार किया था : लोकसभा की मौजूदा सीटें : 543.. परिसीमन के बाद संभावित सीटें : लगभग 815... इनमें 33% आरक्षण : करीब 272 सीटें महिलाओं के लिए. उन्होंने कहा कि यह फॉर्मूला सभी दलों के साथ साझा किया गया था और अधिकांश दलों ने प्रारंभिक सहमति भी जताई थी।

विपक्ष पर हमलाः क्रेडिट की राजनीति हावी

मेघवाल ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जब विधेयक पास हुआ था, तब सभी दलों ने समर्थन दिया था, लेकिन अब इसे लागू करने के समय अलग-अलग बहाने बनाए जा रहे हैं। विपक्ष को डर है कि इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिल जाएगा, इसलिए वे इसे टालने की कोशिश कर रहे हैं।

विपक्ष की आपत्तियां : अलग-अलग सुर

प्रेस वार्ता में मेघवाल ने विपक्ष के तर्कों को भी विस्तार से रखा :

समाजवादी पाटी ः मुस्लिम महिलाओं को अलग आरक्षण देने की मांग-

डीएमके : दक्षिण भारत की सीटें कम होने की आशंका

कांग्रेस : अधिनियम को तुरंत लागू करने की मांग

इन पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा : धर्म के आधार पर आरक्षण देना संविधान में संभव नहीं. परिसीमन के बाद भी राज्यों की राजनीतिक ताकत संतुलित बनी रहेगी. बिना प्रक्रिया पूरी किए जल्दबाजी में लागू करना कानूनन गलत होगा.

इतिहास का हवाला : 100 साल का संघर्ष

मेघवाल ने महिला आरक्षण के इतिहास को याद करते हुए कहाः 1927 में पहली बार महिलाओं के अधिकारों की मांग उठी. बी.आर. अम्बेडकर ने महिलाओं को पुरुषों के साथ समान मतदान अधिकार दिलाया. 1996 में पहली बार महिला आरक्षण बिल संसद में आया. अटल बिहारी वाजपायी सरकार ने भी प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिली. उन्होंने कहा कि 2023 में पहली बार यह कानून पारित हुआ, जो ऐतिहासिक उपलब्धि है।

महिलाओं की उम्मीदों के साथ खिलवाड़

कानून मंत्री ने कहा कि देश की महिलाएं इस कानून से जुड़ी उम्मीदें लगाए बैठी हैं, लेकिन विपक्ष की राजनीति के कारण यह प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। यह मातृशक्ति को सशक्त करने का अवसर था, लेकिन विपक्ष ने इसे राजनीतिक मुद्दा बना दिया। मेघवाल ने संकेत दिया कि सरकार 2026 के बाद होने वाली जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया के तुरंत बाद इस अधिनियम को लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाएगी। मतलब साफ है नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर जारी विवाद ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या महिलाओं का राजनीतिक सशक्तिकरण दलगत राजनीति से ऊपर उठ पाएगा? सरकार जहां संवैधानिक प्रक्रिया का हवाला दे रही है, वहीं विपक्ष इसे देरी और टालमटोल की रणनीति बता रहा है। फिलहाल, महिलाओं को 33% आरक्षण मिलने का सपना परिसीमन और राजनीतिक सहमति के बीच अटका हुआ नजर आ रहा है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष प्रदीप अग्रहरी, एमएलसी सीमा द्विवेदी, साधना सिंह, वीनिता सिंह व मंजू सिंह आदि मौजूद थे.

जांभोरी मैदान में महायुति की महिलाओं का प्रदर्शन, आरक्षण को लेकर विपक्ष पर साधा निशाना

मुंबई। महिला आरक्षण विधेयक संसद में पारित न होने के विरोध में वर्ली स्थित जांभोरी मैदान में भाजपा व महायुति की महिलाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान नारी शक्ति के समर्थन में जमकर नारेबाजी की गई और विपक्षी दलों पर बिल को रोकने का आरोप लगाया गया।

इस दौरान वार्ड क्रमांक-82 की नगरसेविका जगदीश्वरी जगदीश अमीन ने कहा कि विपक्ष ने जानबूझकर नारी शक्ति वंदन अधिनियम को गिराकर महिलाओं के अधिकारों के रास्ते में बाधा डाली है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने बिल का विरोध कर देश की करोड़ों महिलाओं की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष ने परिसीमन के मुद्दे को बहाना बनाकर

बिल को पास होने से रोका और महिला सशक्तिकरण के इस ऐतिहासिक कदम का समर्थन करने के बजाय उसे विफल करने में लगा रहा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ह्यअंतरात्मा की आवाज पर वोट देने की अपील को ठुकराने को भी विपक्ष की बड़ी चूक बताया। जगदीश्वरी अमीन ने कहा कि विपक्ष ने एक ऐतिहासिक अवसर गंवा दिया है, जिसे देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने दोहराया कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने की लड़ाई जारी रहेगी और इसके लिए व्यापक जनआंदोलन खड़ा किया जाएगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से रंजू सिंह, चाणक्षा बेले, मेघा पावसकर, किरण सिंह, शोभा पाटिल, पूनम दलवी, सुषमा वर्मा, विकास तिवारी, परमात्मा गुप्ता, शशिकांत कॉप, ओपी यादव, पूर्व नगरसेवक जगदीश अमीन अन्ना और अश्विनी कांबले सहित बड़ी संख्या में भाजपा व महायुति की महिला कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित थीं।

नेस्ले इंडिया ने दर्ज की लगभग एक दशक की सबसे मजबूत तिमाही वृद्धि

पटना। नेस्ले इंडिया के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 31 मार्च 2026 को समाप्त चौथी तिमाही और वित्तीय वर्ष के लिए आर्थिक परिणामों को मंजूरी दी। कंपनी ने इस तिमाही में लगभग एक दशक की सबसे मजबूत वृद्धि दर्ज की। कुल बिक्री और घरेलू बिक्री में क्रमशः 23.4 प्रतिशत और 23.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि घरेलू बिक्री 6,445 करोड़ रुपये से अधिक रही। ईबीआईटीडीए मार्जिन 26.3 प्रतिशत रहा। स्टैंडअलोन परिणामों पर टिप्पणी करते हुए चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष तिवारी ने कहा कि कंपनी ने उच्च डबल-डिजिट वृद्धि दर्ज करते हुए अब तक की सबसे अधिक घरेलू बिक्री हासिल की है। उन्होंने बताया कि यह प्रदर्शन डबल-डिजिट वॉल्यूम ग्रोथ, बढ़े हुए विज्ञापन निवेश, मजबूत निष्पादन, पैठ विस्तार और प्रीमियम उत्पादों पर फोकस के कारण संभव हुआ।